卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 92 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦7 जनवरी 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

जोशीमठ में कुलदेवता का मंदिर धराशायी, शिवलिंग में दरार

जोशीमठ(उद संवाददाता)। जोशीमठ के सिंह धार वार्ड में भूधंसाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार शाम सिंहधार में कुलदेवता का मंदिर भी धराशायी हो गया। इससे लोगों में दहशत बढ़ गयी है। इस वार्ड में 56 मकानों में दरारें प्रशासन ने चिहिन्त की हैं। वहीं ज्योतिर्मठ परिसर के बाद अब शंकराचार्य माधव आश्रम मंदिर के शिवलिंग में दरारें आ गई हैं। परिसर के भवनों, लक्ष्मी नारायण मंदिर के आसपास बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। ज्योतिर्मठ के प्रभारी ब्रह्मचारी मुकुंदानंद ने बताया कि मठ के प्रवेश द्वार, लक्ष्मी नारायण मंदिर और सभागार में दरारें आई हैं। इसी परिसर में टोटकाचार्य गुफा, त्रिपुर सुंदरी राजराजेश्वरी मंदिर और ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य की गद्दी स्थल है। भू धंसाव के कारण ज्योतिर्मठ और भगवान बदरीनाथ के शीतकालीन प्रवास स्थल को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के शिष्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया सरकारों की अदूरदर्शिता और अनियोजित विकास कार्यों ने सनातन धर्म के शिखर स्थलों सहित पौराणिक नगरी जोशीमठ (ज्योतिर्मठ) के लाखों नागरिकों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से लगातार क्षेत्र में जमीन धंसने की शिकायतें मिल रही थी, लेकिन उन पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा सबके सामने है।

सीएम ने लिया हालातों का जायजा

जोशीमठ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हालातों का जायजा लेने के लिए जोशीमठ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने यहां प्रभावितों से बातचीत की। कहा कि प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भूधंसाव से निपटने के लिए जो भी जरूरी इंतजाम होंगे वो किये जायेंगे। इससे पूर्व सांमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से रिपोर्ट ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ भू-धंसाव के कारण अति संवेदनशील (डेंजर जोन) वाले क्षेत्रों में बने भवनों को तत्काल खाली कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावितों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है और चरणबद्ध ढंग से संवेदनशील जगहों से सबको शिफ्ट किया जाएगा।मुख्यमंत्री राज्य सचिवालय में जोशीमठ में हो रहे भूस्खलन से पैदा हुए हालात की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में धामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ गए विशेषज्ञ दल के सदस्यों से भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर एक बड़ा अस्थायी पुनर्वास केंद्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा (शेष पृष्ठ सात पर)

ब्यूटी पार्लर ठेके पर उपलब्ध

रुद्रपुर में गुलाब रेस्टोरेंट के सामने हरिमंदिर गली में स्थित 30x30 फुट की किराये की दुकान में चल रहा बहुत आधुनिक ढंग से बना हुआ ब्यूटी पार्लर पूरे साजो-सामान सहित ठेके पर लें।
(पूर्व में Lakme की फ्रेंचाइजी रही है)

पार्लर चलाने के इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
मोबाइल संपर्क-8077683095

सड़क पर युवक ने गटका जहर, हालत गंभीर

नैनीताल (उद संवाददाता)। युवक ने अज्ञात कारणों से सुनसान ठंडी सड़क में जहर गटक लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। राहगीरों ने मल्लीताल कोतवाली पुलिस को सूचित किया जिसके बाद पुलिस युवक को अस्पताल ले गई।उसकी हालत चिंताजनक है। जानकारी के अनुसार नैनीताल की ठंडी सड़क में शनि मंदिर के पास राहगीरों ने 27 वर्षीय त्रिलोक सिंह को बेहोश बदहवास हालत में देखा। त्रिलोक सिंह के समीप एक बोतल भी रखी हुई थी जिसमें अनुमान है कि त्रिलोक जहर लेकर आया था। रुकुट कंपाउंड निवासी त्रिलोक सिंह से जब राहगीरों ने उसकी ऐसी हालत (शेष पृष्ठ सात पर)

सेना के जवान की सड़क हादसे में मौत

खटीमा(उद संवाददाता)। कुमाऊं रेजीमेंट में तैनात सैनिक की ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से मौत हो गई। मृतक की पिछले महीने दो दिसंबर को ही शादी हुई थी। इस घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है। भूड़ाकिशनी निवासी 24 वर्षीय नीरज सिंह भंडारी पुत्र गोविंद सिंह भंडारी 18 कुमाऊं रेजीमेंट में राजस्थान में तैनात था। नीरज बीती पांच जनवरी को अवकाश पर घर आया था। शुक्रवार देर शाम वह अपनी बाइक से खटीमा से भूड़ाकिशनी घर लौट रहा था। इसी दौरान सितारगंज रोड लोहियापुल के समीप सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल जवान को उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने (शेष पृष्ठ सात पर)

शराब परोसने पर तीन ढाबा स्वामी गिरफ्तार

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। होटल ढाबों में शराब पीने और पिलाने वालों पर पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। अटरिया रोड जगतपुरा क्षेत्र में पुलिस ने होटल ढाबों में ताबड़तोड़ छापे मारकर शराब परोस रहे तीन ढाबा संचालकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने अटरिया रोड स्थित देशी शराब के ठेके के पास ढाबे में छापेमारी की तो वहां हड़कम्प मच गया। ढाबा में शराब पी रहे लोग पुलिस को देखकर फरार हो गये। पुलिस ने शराब परोस रहे ढाबा स्वामी प्रकाश चन्द्र पुत्र हरीश चन्द्र निवासी ग्राम हरसान थाना बाजपुर हाल निवासी अरविंद नगर थाना ट्रांजिट कैम्प को हिरासत में ले लिया। मौके से शराब की खाली और भरी हुई बोतलें भी बरामद की गयी। इसके बाद अंग्रेजी शराब के की दुकान के पास दो ढाबों में एक साथ छापेमारी की गयी। पुलिस के आते ही वहां शराब पी रहे लोग खिसक गये। शराब परोस रहे व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में लिया। उसने अपना नाम गोविंन्दा सैनी पुत्र निरोत्तम निवासी विवेकनगर वार्ड नं0-9 थाना ट्रांजिट कैंप बताया मौके से (शेष पृष्ठ सात पर)

कोहरे ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार, यात्री परेशान

देहरादून (उद संवाददाता)।कोहरे के चलते लेट हो रही ट्रेनों से यात्रियों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ रही है। एक तो यात्री तय समय पर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच रहे हैं। साथ ही ट्रेनों में सफाई की व्यवस्था भी गड़बड़ा गई है। देरी से देहरादून पहुंच रही ट्रेनों को सही समय पर रवाना करने की जल्दी में ट्रेनों की सफाई सही ढंग से नहीं हो रही है। इसका खामियाजा यात्रियों को गंदगी के बीच सफर करने के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सर्दियों में कोहरे के चलते लंबी दूरी के लिए चलने वाली अधिकांश ट्रेनें कई घंटे देरी से चल रही हैं। देहरादून आने वाली उपासना व राप्ती गंगा एक्सप्रेस आदि ट्रेनें भी देरी से पहुंच रही हैं। ऐसे में इन ट्रेन को यहां से सही समय पर रवाना करने की जल्दी में इन ट्रेनों की सफाई भी सही ढंग से नहीं हो रही है। यात्रियों ने राप्ती गंगा और उपासना एक्सप्रेस में साफ सफाई की शिकायत रेलवे से की है। जिस पर आधा रास्ता गुजरने के बाद ट्रेनों की सफाई कराई जा रही है। कोहरे का असर लंबी दूरी की रेल सेवाओं पर भी पड़ रहा है। पुरी व योगनगरी ऋषिकेश के बीच संचालित होने वाली कलिंगा उत्कल (पुरी एक्सप्रेस) शुक्रवार की रात्रि अपने निधारित समय पर योगनगरी ऋषिकेश नहीं पहुंच पाई। जानकारी मिली कि यह ट्रेन अपने समय से 11 घंटे बिलंब से है। योगनगरी (शेष पृष्ठ सात पर)

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती को किया जा रहा परेशान

काशीपुर(उद संवाददाता)। इंस्टाग्राम पर युवती के नाम से फर्जी आईडी बनाकर अज्ञात व्यक्ति द्वारा परेशान किए जाने के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत किया है। घटना के बारे में पुलिस को तहरीर देकर नूरपुर ढकिया नंबर 1 कुंडेश्वरी निवासी कार्तिक ठाकुर पुत्र प्रेमचंद ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसकी बहन आंचल ठाकुर के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर उसे तथा उसकी बहन को अश्लील मैसेज भेज कर पिछले (शेष पृष्ठ सात पर)

अटरिया माता की मूर्ति चोरी करने का आरोप

मंदिर कमेटी के सचिव ने आरोपों को बताया निराधार, कहा-सुरक्षित है अष्टधातु मूर्ति

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्र अटरिया माता मंदिर के पुजारी आनंद शर्मा ने हर वर्ष मेले के दौरान विराजमान होने वाली माता की मूर्ति और चांदी का थाल चोरी होने का आरोप लगाया है। वहीं मंदिर कमेटी के सचिव ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि माता की मूर्ति और थाल सुरक्षित है और अपने स्थान पर विराजमान है। बता दें जगतपुरा के पास स्थित प्राचीन अटरिया मंदिर में हर वर्ष अप्रैल माह में एक माह का मेला लगता है। इस मेले के दौरान अटरिया मंदिर में माता की ऐतिहासिक और पौराणिक प्रतिमा को विराजमान कराया जाता है। जनपद से ही नहीं बल्कि दूर दराज से भी लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए मेले में पहुंचते हैं। जिस मूर्ति के दर्शन के लिए मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं लाईन में लगती है। वह मूर्ति मेले के अलावा अन्य दिनों में रम्पुरा स्थित अटरिया मंदिर में विराजमान की जाती है। जिसकी देखरेख दशकों से महंत पुष्पा देवी और उनका परिवार करता आ रहा है। महंत पुष्पा देवी के पुत्र पुजारी आनन्द शर्मा ने अपने ही भाई अरविंद शर्मा पर स्वर्ण प्रतिमा और सवा किलो चांदी का थाल चोरी करने का आरोप लगाया है। आनन्द शर्मा का कहना है कि मंदिर की चाबियां माता पुष्पा देवी के पास रहती है। आनंद का आरोप है कि माता पुष्पा देवी से जब इस बारे में पूछा गया तो वह कोई जवाब नहीं दे रही है। पुजारी आनंद शर्मा ने उप जिलाधिकारी से मूर्ति बरामद करवाने, मंदिर प्रांगण की सुरक्षा एवं मंदिर कमेटी को भंग कर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नई कमेटी गठित करने की गुहार लगायी है। उधर मंदिर कमेटी के सचिव एवं पुजारी अरविंद शर्मा ने चोरी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि माता की मूर्ति (शेष पृष्ठ सात पर)

ससुरालियों ने विवाहिता को पीटकर घर से निकाला

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। दहेज उत्पीड़न के मामले में विवाहिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति और अन्य ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। आवास विकास निवासी एक विवाहिता ने महिला हेल्पलाईन मे दिये प्रार्थना पत्र में कहा कि उसका विवाह जुलाई 2021 में शुभम राय पुत्र विनोद राय निवासी आजादनगर रूड़की के साथ हुआ था। विवाह से पहले सगाई में घर वालों ने तीन लाख रूपये नगद और जेवर आदि दिये थे। लेकिन इससे ससुराल वालों का पेट नहीं भरा। ससुराल वाले शादी से पहले सात लाख और देने की मांग करने लगे। जिस पर उन्हें सात लाख और दिये गये। बाद में विवाह में करीब चालीस लाख रूपये खर्च किये गये। लेकिन इसके बावजूद ससुराल वाले संतुष्ट नहीं हुए और शादी के कुछ समय बाद ही 15 लाख रूपये और देने की मांग करने लगे। आये दिन ससुराल वाले मारपीट करते थे। 17 दिसम्बर 2021 को ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया और तलाक देने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति शुभम राय ससुर विनोद राय, सास सुधा राय, ननद शालिनी आदि के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भू-धंसाव से प्रभावित क्षेत्रों में बने भवनों को तत्काल खाली करायें

सीएम धामी ने उच्चाधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ की बैठक छह माह तक चार हजार रुपये प्रभावितों को आर्थिक मदद मिलेगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जोशीमठ भू-धंसाव के कारण अति संवेदनशील (डेंजर जोन) वाले क्षेत्रों में बने भवनों को तत्काल खाली कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में जोशीमठ कस्बे में भू-धंसाव से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था आदि के संबंध में उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ प्रकरण सम्बन्धित विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों के रहने की वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे समय में लोगों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रशासनिक मशीनरी को संवेदनशीलता से काम करते हुए स्थिति की मॉनिटरिंग करनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तात्कालिक एक्शन प्लान के साथ ही दीर्घकालीन कार्यों में भी लंबी प्रक्रिया को समाप्त करना होगा। डेंजर जोन के ट्रीटमेंट, सीवर व ड्रेनेज जैसे कार्य को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, इसमें सरलीकरण तथा त्वरित कार्रवाई हमारा मूलमंत्र होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोशीमठ मामले पर जल्द से जल्द कार्य योजना बिल्कुल तय होनी चाहिए। हमारे लिए नागरिकों का जीवन सबसे अमूल्य है। उन्होंने सचिव आपदा प्रबंधन, गढ़वाल आयुक्त और जिलाधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त करते हुए एयर लिफ्ट की सुविधा हेतु भी तैयारी के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सुरक्षित स्थान पर तत्काल अस्थायी पुनर्वास केंद्र बनाए जाने, डेंजर जोन को तत्काल खाली करवाने के साथ ही प्रशासन को स्थाई पुनर्वास के लिए पीपलकोटी और गौचर सहित अन्य स्थानों पर सुरक्षित जगह तलाशने के भी निर्देश दिए। बैठक में। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, डीजीपी श्री अशोक कुमार, सचिव श्री शैलेश बगौली, श्री सचिव कुर्वे, श्री दिलीप जावलकर, आईजी रिद्धिम

अग्रवाल आदि के साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में धामी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोशीमठ गए विशेषज्ञ दल के सदस्यों से भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर एक बड़ा अस्थायी पुनर्वास केंद्र बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तात्कालिक एक्शन प्लान के साथ ही दीर्घकालीन कार्यों में भी लंबी प्रक्रिया को समाप्त करते हुए डेंजर जोन के ट्रीटमेंट, सीवर तथा ड्रेनेज जैसे कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएं। कहा, इसमें सरलीकरण तथा त्वरित कार्रवाई ही हमारा सबसे बड़ा मूलमंत्र होना चाहिए। जोशीमठ भू-धंसाव की वजह से बेघर हुए लोगों को सरकार छह महीने तक चार हजार रुपये प्रतिमाह का भुगतान करेगी। जिला प्रशासन ने इसकी शुरुआत कर दी है। दरअसल, राज्य सरकार ने दो सितंबर 2020 को एक आदेश जारी किया था, जिसके तहत बेघर हुए लोगों को किराये के मकान में रहने के लिए चार हजार रुपये प्रति परिवार की दर से छह माह तक मुख्यमंत्री राहत कोष से देने का निर्णय लिया गया था। इसी आधार पर चमोली के डीएम हिमांशु खुराना ने सचिव आपदा प्रबंधन को पत्र भेजकर सीएम राहत कोष से भुगतान कराने की स्वीकृति मांगी थी। सचिव आपदा प्रबंधन डॉ.रंजीत सिन्हा ने बताया कि नियमानुसार जिला प्रशासन ने राशि का भुगतान शुरू कर दिया है। सीएम ने प्रभावितों की मदद के लिए एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर हेली सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित हो। मानसून से पहले जोशीमठ में सीवरेज ड्रेनेज आदि के कार्य पूरे कर लिए जाएं। जोशीमठ में भू-धंसाव को देखते हुए एसडीआरएफ ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए यहां तीन और टीमें तैनात की गई हैं। पहले यहां तीन टीमें तैनात रहती थीं। एसडीआरएफ के अधिकारियों को यहां पल-पल निगरानी के निर्देश पुलिस मुख्यालय ने दिए हैं। एसडीआरएफ कमांडेंट मणिकांत मिश्रा ने बताया कि जोशीमठ में पहले तीन टीमें आपदा या दुर्घटनाओं में घायलों की मदद और राहत कार्य में जुटती थीं। मगर, अब भू-धंसाव को देखते हुए एसडीआरएफ ने इनकी संख्या बढ़ा दी है। एक टीम में तकरीबन 12 लोग शामिल रहते हैं। यहां की स्थिति पर नजर रखने के लिए अधिकारियों को लगातार निगरानी के निर्देश मिले हैं। इसके लिए टीमों के सदस्य इलाके के लोगों के लगातार संपर्क में बने हुए हैं।

पूरा जोशीमठ खतरे की जद में, सरकार अब जागी: माहरा

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि उत्तराखंड की दो महत्वपूर्ण बनभूलपुरा और जोशीमठ की घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया है। दोनों ही घटनाओं में राज्य की धामी सरकार ने असंवेदनशीलता का परिचय दिया है। शुक्रवार को कांग्रेस भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जोशीमठ में वर्ष 1976 से ही कहा जा रहा कि वह कमजोर पर्वतीय भूभाग में स्थापित है, जो वर्तमान में सिस्मिक जोन चार में आता है। समय-समय पर गठित समितियों ने जोशीमठ में सीमित निर्माण कार्यों को ही स्वीकृति देने की बात कही। वर्तमान में एनटीपीसी की ओर से वहां जिस तरह से काम कराए जा रहे, पूरा जोशीमठ खतरे की जद में आ गया है। कहा, वर्ष 2013 में केदारनाथ आपदा के बाद एक समिति गठित हुई थी, जिसने संस्तुति की थी कि समुद्रतल से 2200 फीट से ऊपर के क्षेत्र में कोई भी बड़ी परियोजना न लगाई जाए। कहा कि इसके बावजूद भी कंपनियों की ओर से वहां डाइनामाइट का प्रयोग किया जा रहा है। वर्ष 2021 में जब इसका खतरा बढ़ने लगा था। बीते 21 दिनों से अनेक संगठनों और बुद्धिजीवियों की ओर से जोशीमठ को बचाने के लिए सरकार से गुहार लगाई जा रही है। अब जाकर सरकार नींद से जागी है। माहरा ने आरोप लगाया कि भाजपा के तत्कालीन बदरीनाथ विधायक एवं वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई। वर्ष 2021 में जब भाजपा की सरकार थी, तब भट्ट बदरीनाथ के विधायक थे। उन्होंने ऐसा कोई प्रयास नहीं किया, जिससे जोशीमठ का संरक्षण किया जा सके। इस मौके पर मथुरा दत्त जोशी, पीके अग्रवाल, गरिमा दसौनी, नवीन जोशी, अनुकृति गुसाईं, नरेशानंद नौटियाल, जोशीमठ के पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रकाश रावत आदि उपस्थित थे।

भू-वैज्ञानिकों ने किया सर्वेक्षण

जोशीमठ। गढ़वाल आयुक्त सुशील कुमार और आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत कुमार सिन्हा ने भू-वैज्ञानिकों की टीम के साथ जोशीमठ में भू-धंसाव को लेकर प्रभावित क्षेत्रों का गहन सर्वेक्षण किया। गढ़वाल आयुक्त ने सुरक्षा के दृष्टिगत जोशीमठ में एनडीआरएफ दल की तैनाती के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने कहा कि जोशीमठ नगर में भू-धंसाव के कारणों की जांच की जा रही है। टीम की ओर से हर नजरिए से समस्या का आंकलन किया जा रहा है। घरों में दरारें चिंताजनक हैं। अभी तात्कालिक रूप से प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करना हमारी प्राथमिकता है। स्थायी रूप से जो भी निर्माण कार्य हो सकते हैं उसका प्लान तैयार किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान गढ़वाल आयुक्त व आपदा सचिव के अलावा आपदा प्रबंधन के अधिशासी अधिकारी पीयूष रौतेला, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट रोहितास्व मिश्रा, भूस्खलन न्यूनीकरण केंद्र के वैज्ञानिक शांतनु सरकार, आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर डॉ. बीके माहेश्वरी, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान रुड़की के गोपालकृष्णन, भू-वैज्ञानिक दीपक हटवाल, वाडिया इंस्टीट्यूट की विशेषज्ञ स्वप्निल, सीडीओ डॉ. ललित नारायण मिश्र, एडीएम डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीपक सैनी, पुलिस उपाधीक्षक प्रमोद शाह और तहसीलदार रवि शाह आदि मौजूद थे।

नवनिर्वाचित युंका पदाधिकारियों ने ली शपथ

देहरादून (उद संवाददाता)। लार्ड बेकेटेंश हाल में उत्तराखण्ड युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह का आयोजन

किया गया। इस मौके आगामी तीन महीने के कार्य की योजना बनाई गई। कार्यक्रम अध्यक्षता युवा प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महारा, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल, विधायक रवि बहादुर, पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, राजकुमार, प्रदेश प्रभारी युवा कांग्रेस प्रदीप, सूर्या आभ्या चौहान ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से बेहतर कार्य करने की आशा जताते हुये बधाई दी।इस दौरान राज्य सरकार की तानाशाही से जमकर मुकाबला करने का निर्णय लिया गया। इस मौके नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर युवा प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत प्रसाद भट्ट, मोहन भण्डारी, हेमन्त साहू ,मीमांशा आर्या, राहुल प्रताप, लक्की,अमन दीप बतरा, विकास नेगी, अमन सिंह, सचिन चौधरी, सुधांशु अग्रवाल व सन्तोष रावत ने विचार व्यक्त किये।

साथी ने ही गला दबाकर की थी तुषार की हत्या,गिरफ्तार

देहरादून (उद संवाददाता)। मायाकुंड ऋषिकेश में मृत मिले युवक की हत्या की गई थी। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्यारोपी उसे नए साल की पार्टी के बाद दो युवकों से झगड़ा करने के लिए साथ ले जाना चाह रहा था। युवक ने मना किया तो पहले पीटा और फिर मफलर से गला घोंटकर हत्या कर दी। एसपी देहात कमलेश उपाध्याय ने बताया कि एक जनवरी को एक युवक अचेत अवस्था में मायाकुंड में पड़ा हुआ था।परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया तो वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान तुषार पुत्र बबलू थापा निवासी चंद्रेश्वर नगर के रूप में हुई थी। पिता बबलू ने पुलिस को बताया था कि तुषार 31 दिसंबर की रात आठ बजे घर से पार्टी करने निकला था। वह अंतिम बार क्षेत्र में किराए पर रहने वाले अरुण खरे के साथ देखा गया था। इस पर पुलिस ने तुषार का पोस्टमार्टम कराया तो मौत का कारण गला घोंटना पाया गया। इस पर पुलिस ने मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। सीसीटीवी कैमरे और सीडीआर की मदद से पुलिस अरुण खरे तक पहुंच गई। उसे चंद्रेश्वर नगर से गिरफ्तार कर लिया गया। अरुण खरे ने बताया कि वह क्षेत्र की एक ग्लास कंपनी में काम करता है। 31 दिसंबर की रात को कंपनी की ओर से पार्टी आयोजित की गई थी। इसमें भाग लेने के बाद वह एक जनवरी की सुबह तीन बजे त्रिवेणी घाट पर चाय पीने गया था। वहां उसे तुषार उर्फ पिंडारी मिला। यहां दोनों में बातचीत हुई। अरुण खरे ने तुषार से कहा कि उसका दो युवकों से झगड़ा हो गया है। वह उन्हें पीटना चाहता है। इसके लिए उसने तुषार को साथ चलने के लिए कहा। दोनों साथ चले गए, लेकिन बीच में तुषार ने झगड़े से मना कर दिया। इस पर दोनों में विवाद हो गया। अरुण खरे ने तुषार को पीट- पीटकर अधमरा कर दिया। तुषार जमीन पर गिर गया तो अरुण ने उसका अपने मफलर से गला घोंट दिया और घसीटकर मायाकुंड के पास चौक पर डाल दिया।

दबंगों ने मेडिकल स्टोर में तमंचा तान सेल्समैन को धमकाया

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एक ओर जहां पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी अपराध नियंत्रण के दावे करते थक नहीं रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर पुलिस अधिकारियों के दावे की धज्जियां उड़ाते हुए तमाम बदमाश तमंचे ही नोक पर लोगों को डराने धमकाने से पीछे नहीं रह रहे हैं। आए दिन ऐसी वारदातें देखने को मिल रही है। यहां तक कि अब जीवन रक्षक की दवाई बेचने वालों को रात्रि में दुकान खोलना भी मुश्किल हो गया है। विगत रात्रि धान मिल मार्ग पर एक मेडिकल स्टोर पर एक दबंग आ धमका और उसने वहां मौजूद सेल्समैन से सिगरेट जलाने के लिए माचिस या लाइटर मांगा साथ ही ऐसा न करने पर तमंचा तान को उसे डराया धमकाया और फिर आने की बात कहकर चला गया।मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। नगर में खुलेआम मेडिकल स्टोर पर सेल्समैन को पिस्टल की नोक पर धमकाने और दबंगई दिखाने का सनसनीखेज मामला सामने आने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। घटना का सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। पीड़ित मैडिकल स्टोर मालिक ने पुलिस को सूचना देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। आई.टी.आई.रोड स्थित नीलकंठ अस्पताल के समीप सेंट्रल मैडिकोज है। मैडिकोज के मालिक ने मैडिकल कॉलेज चौकी इंचार्ज को शिकायती पत्र देकर कहा है कि उसकी दुकान में गुरुवार देर रात एक अज्ञात व्यक्ति आया जिसने सिगरेट जलाने के लिए लाइटर या माचिस मांगी। स्टाफ द्वारा नहीं होने की बात कहने पर व्यक्ति ने गाली गलौच शुरू कर दी और पिस्टल निकालकर दहशत फैलाने के लिए काउंटर पर रख दी। शिकायत्पात्र में कहा गया है कि व्यक्ति ने धमकी देते हुए दोबारा आने की बात कही है। उसने लाइटर तैयार रखने को कहा है, इसलिए उनका स्टाफ बहुत भयभीत है। मेडिकल स्टोर स्वामी का कहना है कि उनकी दुकान कैंसर हॉस्पिटल के नजदीक है और उन्हें देर रात तक मरीजों को दवा देने के लिए मेडिकल स्टोर खुले रहना पड़ता है। धमकी देकर गया बदमाश दोबारा आ सकता है। मैडिकोज के मालिक ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मैडिकल व्यवसायी को कार्यवाही का आश्वासन दिया है। मेडिकल स्टोर स्वामियों के साथ इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। नगर के अनेक स्थानों पर स्थित मेडिकल स्टोरों में नशेड़ी किस्म के युवक आए दिन आते हैं और नशीली दवाओं व इंजेक्शन की मांग करते हैं। जब उन्हें बताया जाता है कि यह यहां नहीं मिलता तो वह धमकियां देने पर उतारू हो जाते हैं। इस संबंध में मेडिकल एसोसिएशन द्वारा कई बार पुलिस अधिकारियों से आग्रह किया जा चुका है। लेकिन पुलिस मेडिकल स्टोर पर आकर धमकियां देने वाले नशेड़ी युवाओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती।

प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर होगी कार्रवाई

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)।जिलाधिकारी वन्दना ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना के अनुसार राज्य में प्लास्टिक/थर्मोकोल/स्टायरोफोम सामान के क्रय, विक्रय, उत्पादन, आयात, भण्डारण, ले जाना, उपयोग व आपूर्ति सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में पूर्णत: प्रतिबन्धित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के उल्लघंन की स्थिति में जुर्माना आरोपित किये जाने तथा पुन: उल्लघंन पाये जाने की दशा में सम्बन्धित उल्लघंनकर्ता पर दोगुना जुर्माना आरोपित किये जाने का प्राविधान किया गया है।उन्होंने बताया कि किसी भी आकार, मोटाई, माप व रंग के प्लास्टिक कैरी बैग (हैंडल के साथ अथवा बिना हैंडल के) और नॉन-वोवन पॉली प्रोपाईलिन बैग, थर्मोकोल (पॉलीस्टायरीन), पॉलीयुरेथेन, स्टायरोफोम और इसी तरह के बने एकल उपयोग के डिस्पोजेबल कटलरी या प्लास्टिक जैसे प्लेट, ट्रे, कटोरे, कप, गिलास, चम्मच, कॉटा, स्ट्रॉ, चाकू, स्टिरर आदि चाहे वे किसी भी आकार व प्रकार के हो, एकल उपयोग खाद्य पदार्थ के पैकेजिंग कन्टेनर चाहे किसी भी आकार, माप, प्रकार व रंग के हों, जो पुन: चक्रित प्लास्टिक से बने हो व जो खाद्य/तरल पदार्थ को ढकने, ले जाने व भण्डारित करने में उपयोग होता है के क्रय, विक्रय, उत्पादन, आयात, भण्डारण, ले जाना, उपयोग व आपूर्ति पर पूर्णत: प्रतिबन्धित रहेगा। उन्होंने बताया कि बायो कम्पोस्टेबल प्लास्टिक बैग एवं 50 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग, जो जैव चिकित्सा अपशिष्ट, नगरीय ठोस अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट के परिवहन में उपयोग किये जाते है पर उपरोक्त प्रतिबन्ध लागू नहीं होगा।

जंगली जानवरों से खेती एवं बागवानी की सुरक्षा के लिये 130 करोड़ रुपये से की जाएगी फेंसिंग

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू करेगी सरकार : सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जंगली जानवरों से खेती एवं बागवानी की सुरक्षा के उद्देश्य से राज्य के पर्वतीय जिलों में वन सीमा पर फेंसिंग के लिए 130 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के विस्तारीकरण के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की भांति मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना आरंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि चीन सीमा से सटे प्रदेश के चार गांव नीती, माणा, मलारी व गुंजी का चयन प्रधानमंत्री वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम में हुआ है। इसी तर्ज पर राज्य में मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत नेपाल सीमा पर स्थित कुछ गांवों को चिह्नित कर विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में ग्राम्य विकास विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि विगत पांच वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत राज्य में 5838 करोड़ की लागत से 11621 किमी मार्गों का निर्माण किया गया एवं 875 बसावट (गांव) संयोजित की गईं। राज्य गठन से लेकर वर्ष 2017 तक प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 3994 करोड़ रुपये की लागत से 10243 किमी के कुल 1310 कार्य स्वीकृत हुए एवं 955 बसावट संयोजित की गईं। 2017 से अब तक राज्य में 6375 करोड़ रुपये की लागत से 10034 किमी के कुल 1468 कार्य स्वीकृत हुए एवं 875 बसावट संयोजित की गई हैं। बीते पांच वर्षों में राज्य में मनरेगा के अंतर्गत प्रतिवर्ष 5.5 लाख परिवारों को रोजगार से जोड़ा गया। 56 प्रतिशत रोजगार महिलाओं को दिया गया। आजीविका पैकेज के अंतर्गत 13500 परिवारों को आजीविका संसाधनों से जोड़ा गया। दीनदयाल अंत्योदय

योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विगत पांच वर्षों में 3.49 लाख परिवारों को 52613 समूहों में संगठित किया गया। 38882 समूहों को रिवाल्विंग फंड, 23952 समूहों को सीआइएफ की धनराशि वितरित की गई। 29289 समूह सदस्यों को लखपति दीदी के रूप में तैयार किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत अब 1200 और अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य मिला है। इनसे स्थानीय व्यक्तियों की आजीविका को कैसे बढ़ाया जा सकता है, इस पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि पशुबाड़ के अंतर्गत लाभार्थियों को जो 48 हजार रुपये की धनराशि दी जा रही है, उसे बढ़ाने के लिए जल्द प्रस्ताव लाया जाए। सेब एवं कीवी पर मिशन मोड में कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक 15 दिन में इसकी वह स्वयं समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही उनकी उचित आनलाइन मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत लक्ष्य के सापेक्ष अवशेष आवासों का तेजी से निर्माण किया जाए। राज्य सरकार के लक्ष्य के अनुसार वर्ष 2025 तक समूहों की 1.25 लाख महिला सदस्यों को लखपति दीदी बनाने के लिए सुनियोजित तरीके से कार्य करने पर भी उन्होंने बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जो भवन बनाए जा रहे हैं, उन्हें पर्वतीय शैली में बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अभी तक जिन मामलों में मुआवजे का भुगतान नहीं हुआ है, वह शीघ्र किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि केंद्र पोषित योजनाओं में मनरेगा के तहत अमृत सरोवर योजना, आधार सीडिंग में उत्तराखंड देश में पहले एवं समय पर भुगतान में तीसरे स्थान पर है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत उत्तराखंड बजट आवंटन, स्वीकृति, रिवाल्विंग फंड तथा सामुदायिक निवेश निधि में प्रथम एवं लखपति दीदी सर्वे में दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में भी उत्तराखंड देश में पांचवें स्थान पर है।मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग की त्रैमासिक पत्रिका आजीविका दर्पण का विमोचन भी किया। बैठक में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव डा बीवीआरसी पुरुषोत्तम, आयुक्त ग्राम्य विकास आनंद स्वरूप, अपर सचिव नितिका खंडेलवाल, उदयराज सिंह, अरुणेंद्र चौहान, योगेंद्र यादव एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

भरतपुर में सूर्या फाउंडेशन ने आयोजित किया वॉलीबॉल मैच

काशीपुर (उद संवाददाता)।सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गांव भरतपुर में क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार और प्रशांत (भाजपा अनुसूचित मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष) ने फीता काटकर मैच का उद्घाटन किया। खेल प्रतियोगिता के चौथे दिन वॉलीबॉल का मैच कराया गया। वॉलीबॉल का मैच भरतपुर और टीला के टीम के साथ कराया गया। जिसमें गांव भरतपुर की टीम ने विजय प्राप्त की। इस अवसर पर क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि ष्वास्थ्य ही धन हैष्यह पुरानी कहावत है जो आज भी उतनी ही सच है अनेक प्रकार के खेलों के द्वारा मनुष्य अपने स्वास्थ्य और शरीर का संवर्धन और संरक्षण कर सकते हैं। वही वॉलीबॉल का सफल आयोजन कराने में ग्राम सेवा प्रमुख भरत शाह, सूर्या संस्कार केंद्र के शिक्षक अवनीश, ओमप्रकाश, सुनील आदि का सहयोग रहा।

जनजागरूकता शिविर का आयोजन

सुल्तानपुर पट्टी (उद संवाददाता)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर के तत्वाधान में ग्राम बेरिया दौलत में क्षेत्र पंचायत सदस्य रुपेंद्र सिंह गिल व उपप्रधान निर्मल सिंह की अध्यक्षता नशा उन्मूलन विषय पर पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने जागरूकता शिविर के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों की ग्रामीणों को जानकारी दी। पैनल अधिवक्ता महिपाल सिंह ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर की ओर से मिलने बाली निशुल्क विधिक सेवाओं की विस्तार पूर्वक ग्रामीणों को शिविर के माध्यम से जानकारी दी। इस मौके पर मनजीत सिंह,रंजीत सिंह,रविंद्र सिंह, मनोहर सिंह, चरणजीत सिंह,हरकेश सिंह, चंद्रभान सिंह, संजय सिंह, राहुल सिंह,तारा सिंह, जयप्रकाश,गीता जोशी आदि मौजूद रहे।

शीघ्र आवश्यकता है

SAMPURNA JEEVAN DHAN NIDHI LIMITED (BANKING SERVICES) को

1. **रिसेप्शनिष्ट(महिला)**-(1),**योग्यता**-स्नातक एवं कम्प्यूटर में एक वर्ष का डिप्लोमा,अनुभवी को वरीयता (वेतन योग्यतानुसार)
2. **कम्प्यूटर ऑपरेटर कम एकाउन्टेंट**-(1)**योग्यता**-B.C.A. /बी.कॉम, अनुभव-दो वर्ष, (वेतन योग्यतानुसार)
3. **सेल्स एक्जीक्यूटिव**- (25), **योग्यता**-हाईस्कूल,अनुभवी को वरीयता स्वयं का दो पहिया वाहन होना अनिवार्य (वेतन-20,000+इन्सेंटिव)
4. **मैनेजर**- (1) योग्यता-स्नातक+एमबीए (अनुभव 2 वर्ष) (वेतन योग्यतानुसार)
5. **सेल्स एक्जीक्यूटिव (महिला एवं पुरूष) -पार्ट टाईम**(कमीशन के आधार पर)
6. **ड्राईवर** (1) योग्यता आठवीं पास

बॉयोडाटा एवं प्रमाण पत्रों सहित 10 से सायं 4 बजे तक सम्पर्क करें।

पता-7&8 ,**रुद्रा ऑर्केड कॉम्प्लैक्स प्लॉट नं.12,नैनीताल हाईवे,(31,वीं वाहिनी पी.ए.सी. गेट के सामने) आवास विकास, रुद्रपुर जिला-उधम सिंह नगर**
Ph.7055903977,7579280778,05944-240875,05944-297127
www.sampurnajeevan.com

अरोरा डेन्टल केयर

Dental Facilities / सुविधायें
डेंटल इंप्लान्ट की सुविधा आसान किस्तों में उपलब्ध
- दांतों की नसों का इलाज / RCT
- फिक्स दांत लगाना / Crown, Bridge & Dental Implant
- नकली दांतो का जबड़ा लगाना / Complete Denture
- टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करना / Ortho Treatment
- दांतों के रंग की फिलिंग / Composite Filling
- सफाई द्वारा पायरिया का इलाज / Ultrasonic Scaling

B.D.S.,PGDHA (Oral Implantologist)
B.D.S.,(Dental Surgeon)

(15 साल का अनुभव)

1. J.K. Tower, Near Navrang Sweets, Janta Inter Collage Road, Rudrapur
2. Doctor Colony Gali No.1 Near Ahan Hospital, Rudrapur

वाटर प्रूफिंग

हमारे यहां मकान की वाटर प्रूफिंग जैसे- छत का टपकना, सिलन आना, लिकीज होना, बेसमेन्ट, शौचालय, बाथरूम, किचन में सिलन आना व पानी टपकना एवं टिन शैड का कार्य सन्तोषजनक किया जाता है।

प्रो. शादाब खान
9012051994, 6399038125
आर्क होटल के पीछे, बत्रा कालोनी, बिलासपुर रोड, रुद्रपुर

Shri Shyam Properties
Deals In: Sale, Purchase And Rent Of Any Type Of Property
CONTACT NO.: 7830482222, 7500049657

Proclamation Under Order 5, Rule 20, CPC
In the Court of Motor Accident Claims Tribunal (CBI), Shimla, H.P.
M.A.C.T Case No.:3-S/2 of 2019

Yachna Sharma W/o Sh.Lekh Raj Sharma R/o Village Bania Devi, P.O. Bakhalag, Tehsil- Arki, District Solan H.P. Presently R/o Mahant Niwas, Near Rashtriya Vidya Kendra School, Kasumpti Shimla-9 H.P. ....**Petitioner**

Versus.

1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand.
2. The Oriental Insurance Company Ltd. B.O Rudrapur, Uttrakhand. to be served through Manager, Oriental Insurance Co. Ltd., Shimla Branch, Myth Estate, Kothi No 4, Opposite Anup Service Station, Kaithu Shimla H.P.-171003.
3. Sh.Savender Singh S/o Sh.Mehar Singh, R/o Village Nandpur, Near Pani Ki Tanki, Tehsil Ram Nagar, District Nanital, Uttrakhand.

.......**Respondents**

Claim petition under Section 166 of the Motor Vehicle Act, 1988 for the Grant of Compensation.

Notice to:-
1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand. ....**Respondent**

Whereas in the above noted case, it has proved to the satisfaction of the court that above named respondent is avoiding service of summons and cannot be served in the ordinary way. Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in the Court on **20.02.2023** at 10.00 AM to defend the case personally or through an authorized agent of pleader failing which ex-parte proceedings will taken against him.

Given under my hand and seal of the court on this 21st day of December, 2022.

-Sd-
MACT(CBI), Shimla Distt.Shimla, HP
Seal

Proclamation Under Order 5, Rule 20, CPC
In the Court of Motor Accident Claims Tribunal (CBI), Shimla, H.P.
M.A.C.T Case No.:4-S/2 of 2019

Yachna Sharma W/o Sh.Lekh Raj Sharma R/o Village Bania Devi, P.O. Bakhalag, Tehsil Arki, District Solan H.P. Presently R/o Mahant Niwas, Near Rashtriya Vidya Kendra School, Kasumpti Shimla-9 H.P. ....**Petitioner**

Versus.

1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand.
2. The Oriental Insurance Company Ltd. BO Rudrapur, Uttrakhand. To be served through Manager, Oriental Insurance Co. Ltd., Shimla Branch, Myth Estate, Kothi No 4, Opposite Anup Service Station, Kaithu Shimla H.P.-171003.
3. Sh.Savender Singh S/o Sh.Mehar Singh, R/o Village Nandpur, Near Pani Ki Tanki, Tehsil Ram Nagar, District Nanital, Uttrakhand.

.......**Respondents**

Claim petition under Section 166 of the Motor Vehicle Act, 1988 for the Grant of Compensation.

Notice to:-
1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand. ....**Respondent**

Whereas in the above noted case, it has proved to the satisfaction of the court that above named respondent is avoiding service of summons and cannot be served in the ordinary way. Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in the Court on **20.02.2023** at 10.00 AM to defend the case personally or through an authorised agent of pleader failing which ex-parte proceedings will taken against him.

Given under my hand and seal of the court on this 21st day of December, 2022.

-Sd-
MACT(CBI), Shimla Distt.Shimla, HP
Seal

Proclamation Under Order 5, Rule 20, CPC
In the Court of Motor Accident Claims Tribunal (CBI), Shimla, H.P.
M.A.C.T Case No.:5-S/2 of 2019

Lekh Raj Sharma S/o Sh.Ram Lal Sharma R/o Village Bania Devi, P.O. Bakhalag, Tehsil Arki, District Solan H.P. Presently R/o Mahant Niwas, Near Rashtriya Vidya Kendra School, Kasumpti Shimla-9 H.P. ....**Petitioner**

Versus.

1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand.
2. The Oriental Insurance Company Ltd. B.O Rudrapur, Uttrakhand. To be served through Manager, Oriental Insurance Co.Ltd., Shimla Branch, Myth Estate, Kothi No 4, Opposite Anup Service Station, Kaithu Shimla H.P.-171003
3. Sh.Savender Singh S/o Sh.Mehar Singh, R/o Village Nandpur, Near Pani Ki Tanki, Tehsil Ram Nagar, District Nanital, Uttrakhand.

.......**Respondents**

Claim petition under Section 166 of the Motor Vehicle Act, 1988 for the Grant of Compensation.

Notice to:-
1. Sh.Harapreet Singh S/o Sh.Baljeet Singh, R/o 170.D1,D2 Ward No 13, Rudrapur District U.S. Nagar Uttrakhand. ....**Respondent**

Whereas in the above noted case, it has proved to the satisfaction of the court that above named respondent is avoiding service of summons and cannot be served in the ordinary way. Hence this proclamation is hereby issued against him to appear in the Court on **20.02.2023** at 10.00 AM to defend the case personally or through an authorised agent of pleader failing which ex-parte proceedings will taken against him.

Given under my hand and seal of the court on this 21st day of December, 2022.

-Sd-
MACT(CBI), Shimla Distt.Shimla, HP
Seal

जोशीमठ में प्रभावितों को सरकार हर प्रकार से सहायता के लिए प्रतिबद्ध: भट्ट

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। केन्द्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने जोशीमठ की आपदा पर चिन्ता व्यक्त की हैं। उन्होंने कहा कि इस समय संयम से काम लेते हुए पहली प्राथमिकता आपदा ग्रस्त इलाके से लोगों को निकालकर सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर हर प्रकार की व्यवस्था करने एवं लोगों की जान-माल बचाने को है। श्री भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूर्व में ही आवश्यक निर्देश देने के बाद पूरे जोशीमठ आपदा की समीक्षा की है, जिसमें बड़े फैसले लिए है तथा स्वंय स्थलीय निरीक्षण के लिए भी जा रहे है। सुरक्षा की दृष्टि से पहले ही एन० टी०पी०सी० के काम रोक दिए है रोप-वे का संचालन बन्द कर दिया गया है तथा सारे निर्माण कार्यों में भी फिलहाल रोक लगा दी है एवं प्रभावित परिवार 'शिफ्ट' किये गए है। मारवाड़ी, मनोहर बाग, सिंहधार, रविबाग, कोटलागढ़, गांधीनगर वॉर्ड एवं सुनील वॉर्ड पर एवं दरार वाले अन्य क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जारही है। राहत शिविरों में लोगों को हर प्रकार से ठण्ड से बचाने का कार्य एवं सभी आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराई जा रही है। लोगों को टैम्पल कमेटी, नगर पालिका पर्यटन के यूथ हॉस्टल, गुरूद्वारा जोशीमठ तथा मिलन केन्द्र ज्योर्तिमठ में रखा गया है। बिजली,पानी,अलाव, दवा, डॉक्टर, भोजन आदि की व्यवस्था की।गई है तथा राहत किट भी उपलब्ध कराए जा रहे है। भूगर्भ शास्त्रियों का सर्वेक्षण हो चुका है, एसडीआर०एफ०, एन डीआरएफ,जिला प्रशासन लगातार लोगों के बीच में घूमकर मनोबल बढ़ा रहे हैं। श्री भट्ट ने कहा कि सरकार हर प्रकार से सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र सरकार राज्य सरकार से लगातार सम्पर्क बनाए हुए है। श्री भट्ट ने लोगो से मनोबल बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि हम इस प्राकृतिक आपदा पर जल्दी ही नियंत्रण पा लेंगे।

चोरों ने हार्डवेयर की दुकान खंगाली

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।अज्ञात चोर ने डहरिया स्थित हार्डवेयर दुकान की छत काट वहां से हजारों रुपए कीमत का सामान व गल्ले से हजारों की नकदी चोरी कर ली। प्रात: घटना की जानकारी मिलने पर दुकान स्वामी ने मामले की सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलने पर ट्रांसपोर्ट नगर चौकी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया और सीसीटीवी फुटेज खंगाली। पुलिस ने दावा किया है कि चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार देवी दत्त सनवाल डहरिया में धान मिल के पास मां बाराही हार्डवेयर स्टोर के नाम से दुकान चलाते हैं। गुरुवार रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह दुकान पहुंचने पर देखा कि छत कटी हुई है। गल्ले में रखी 82 हजार रुपये की नगदी गायब थी। इसके अलावा दुकान से फिटिंग और हार्डवेयर का कीमती सामान चोरी कर लिया गया। उन्होंने इसकी सूचना टीपी नगर पुलिस को दी। टीम के साथ मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी पंकज जोशी ने मौका मुआयना किया। उन्होंने बताया कि चोरी की वारदात सीसीटीवी में कैद है। जल्द ही चोरों को दबोच लिया जाएगा।

जो लोग स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जाए : सीएम

पलायन की रोकथाम को सीएम धामी ने दिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में गांवों से पलायन की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक तरीके से व्यापक कार्ययोजना बनाई जाए। पर्वतीय क्षेत्रों के निवासियों की आजीविका में ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों में लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पर्वतीय क्षेत्र केंद्रित योजनाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डा एसएस नेगी ने कहा कि आयोग अब तक 19 रिपोर्ट सरकार को

तेजी से वृद्धि के लिए भी व्यापक स्तर पर कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जो लोग रिवर्स पलायन कर राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्वरोजगार के साथ ही अन्य व्यक्तियों को भी स्वरोजगार से जोड़ रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। शुक्रवार को सचिवालय में में स्थानीय निवासियों की आजीविका वृद्धि के साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग, पर्यटन, कृषि, बागवानी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए गांवों पर सौंप चुका है। ऊधमसिंह नगर जिले की रिपोर्ट भी जल्द सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि अब रुझान रिवर्स पलायन की दिशा में बढ़ रहा है। आयोग के सदस्य दिनेश रावत ने कहा कि कृषि एवं बागवानी को बढ़ावा देने के मद्देनजर वन्यजीवों से फसलों की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना को राज्य में और बढ़ावा देना होगा। सदस्य सुरेश सुयाल ने गांवों में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को प्रोत्साहन देने, पर्वतीय क्षेत्रों में युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक स्वरोजगार से जोडने के सुझाव दिए। सदस्य राम प्रकाश पैन्यूली ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित प्राचीन मंदिरों को भी यात्रा से जोड़ा जाए। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यक्तियों की आजीविका भी बढ़ेगी। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में नोडल अधिकारी की तैनाती होनी चाहिए। रंजना रावत ने कहा कि पहाड़ में एमएसएमई को अधिक प्रोत्साहन देने और अनिल शाही ने गांवों को केंद्र मानकर विकास योजनाएं आगे बढ़ाने के साथ ही सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सीमांत दर्शन योजना शुरू करने पर जोर दिया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव डा बीवीआरसी पुरुषोत्तम, अपर सचिव नीतिका खंडेलवाल भी उपस्थित रहे।

पटवारी लेखपाल की भर्ती परीक्षा को लेकर दिये निर्देश

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। 8 जनवरी को आयोजित होने वाली उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की राजस्व उप निरीक्षक (पटवारी/ लेखपाल) परीक्षा की तैयारियों को लेकर अपरजिलाधिकार सीएस मर्तोलिया की अध्यक्षता में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अपरजिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्रों के लिए नामित सभी सेक्टर अधिकारियों को परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट सौंपे गए परीक्षा केंद्रों पर जाकर सभी व्यवस्थाओं को परख लें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि परीक्षा केंद्र पर बिजली, पानी एवं अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हों। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देशित किया कि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के सभी दिशा निर्देशों का भली भांति पालन करें, तथा

नियमानुसार परीक्षा संपन्न कराने की सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जाए। परीक्षा के दौरान सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एक कंट्रोल रूम बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं। जनपद में इस परीक्षा हेतु 47 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह परीक्षा केंद्र अल्मोड़ा, रानीखेत, सोमेश्वर, द्वाराहाट समेत अन्य स्थानों के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में बनाए गए हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों में 10203 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा 11 बजे से 01 बजे तक आयोजित की जाएगी। बैठक में संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत जय किशन, उपजिलाधिकारी सदर गोपाल सिंह चौहान, मुख्य शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण समेत आयोग के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वीडियो कांफ्रेसिंग से जाना गर्भवती महिलाओं का हाल

रुद्रपुर (उद संवाददाता)।मिशन मातृ शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विकास खण्ड रुद्रपुर के किच्छा तहसील की उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) को चिन्हित करते हुए आवश्यक बैठक मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आहूत की गई। आपको बता दें कि 'मिशन मातृ शक्ति'

की पहल जिलाधिकारी युगल किशोर पंत द्वारा की गई है और जनपद उधम सिंह नगर देश का पहला जनपद है जहां इस योजना को अमली जामा पहनाया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गर्भवती महिलाओं से वार्ता कर उनका हाल जाना। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को दी जाने वाली दवाओं,आइरन, कैल्शियम की गोलियों एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली। कहा कि गर्भावस्था के दौरान महिलाएं अपने-अपने क्षेत्र की आशाओं एवं अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सकों के सम्पर्क में रहे। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान खान-पान का विशेष ध्यान रखें और चिकित्सकों की सलाह को मानें। उन्होंने आशाओं को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें और ससमय उनका रिव्यू लेते रहें ताकि किसी के साथ किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। सभी गर्भवती महिलाओं को अपने प्रसव केन्द्र के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में गर्भपात की घटनाएं अधिक हो रही हों उन क्षेत्रों की समीक्षा कर गर्भपात के कारणों का पता लगाएं। ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन गर्भवती महिलाओं के दो या दो से ज्यादा बच्चे हों उन्हें परिवार नियोजन के लिए प्रेरित किया जाये। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरेन्द्र मलिक, हिमांशु मस्यूनी,चांद मियाँ, निधि शर्मा, फरहीन फातिमा एवं अन्य लोग वीसी के माध्यम से उपस्थित थे।

25 लाख की चरस के साथ दो तस्कर दबोचे

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स ने नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में दो तस्करों को 5.237 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की कीमत करीब 25 लाख आंकी गयी है। एएनटीएफ,थानाध्यक्ष पुलभट्टा एवं उनकी टीम ने चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति जो किच्छा की तरफ से आ रहे थे को पुराना बरेली रोड तिराहे के पास शक होने पर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 5.273 किलो अवैध चरस व दो मोबाइल फोन पैन कार्ड, आधार कार्ड और 1990 रुपये बरामद हुए पूछताछ में दोनो ने अपने नाम लालता प्रसाद पुत्र डोरी लाल निवासी ग्राम मलकपुर मजरा बहादुरगंज थाना बहेड़ी और शांति स्वरूप पुत्र उमाशंकर निवासी ग्राम कुंडलिया कुदरा थाना नवाबगंज जिला बरेली हाल निवासी दमुवादुमा हाइड्रिल गेट थाना काठगोदाम

बताया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उक्त चरस को वह हल्द्वानी मंगल पड़ाव निवासी पाठक के यहां से लाते हैं और इसको बहेडी क्षेत्र में बेचते हैं। बरामद की गयी चरस की अन्तराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गयी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में पुलभट्टा थानाध्यक्ष कमलेश भट्ट, उपनिरीक्षक पवन जोशी, उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह,हेड कांस्टेबल धर्मवीर सिंह, कांस्टेबल ललित चौधरी,कांस्टेबल महेंद्र बिष्ट, कांस्टेबल फिरोज खान, बालम आदि शामिल थे।

जरूरतमंद लोगों को दिए कम्बल

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। श्रीमद्भागवत कथा व्यास आचार्य रामचन्द्र जी महाराज विगत कई वर्षों से व्यासपीठ से मिले दान की धनराशि से असहाय निर्धन जरूरतमंद लोगों को भीषण ठंड में गर्म कपड़े और कंबल वितरित कर रहे हैं। शक्तिफार्म के विभिन्न गांव में जहां भी गरीब, निर्धन बुजुर्ग महिला ,विधवा माताएं की खबर उन्हे मिलती है वे स्वयं चुपचाप उनके आवास में पहुंचकर उन्हें कंबल ,गर्म कपड़े पहुंचा रहे है। कथावाचक रामचंद्र जी ने कहा ब्यासपीठ से आशीर्वाद स्वरूप मिले धनराशि को मानव कल्याण के लिए कुछ कर पाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है ।मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।सबसे बड़ी बात ये है की बिना भीड़ किए निस्वार्थ भाव से बिना किसी के साथ फोटो खिचाए आचार्य रामचन्द्र जी महाराज जरूरतमंद लोगों के घर जाकर उन्हें सहायता प्रदान कर रहे है,ताकि उनके स्वाभिमान को ठेस न पहुंचे।

कृषि वानिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

देहरादून(उद संवाददाता)। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, देहरादून नेविश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना के तहत उपयुक्त रणनीतियों/फ्रेमवर्क को विकसित करने के लिए कृषि वानिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है

और पर्यावरण से संबंधित राष्ट्रीय लक्ष्यों और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को प्राप्त करने के लिए देश में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए बाधाओं और चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत सरकार को नीतिगत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, भारत सरकार के प्रमुख मंत्रालयों, राज्य के वन विभागों, देश के वानिकी और कृषि अनुसंधान संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों, विश्वविद्यालयों, लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधियों और किसानों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। स्थायी भूमि और पारितंत्र प्रबंधन के लिए कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान के परिणामों, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रणालियों को कार्यशाला के दौरान साझा किया गया। देश में कृषि वानिकी को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों द्वारा 24 प्रस्तुतियां दी गईं। प्रगतिशील किसानों और लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भारत में कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के अवसरों और बाधाओं पर पैनल चर्चा में भाग लिया। उन्होंने कृषि वानिकी प्रथाओं को अपनाने और बढ़ाने में अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है। दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभव साझा करने के बाद, राष्ट्रीय कार्यशाला ने कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी प्रजातियों की गुणवत्ता रोपण सामग्री की उपलब्धता, नीतियों के युक्तिकरण और कृषि वानिकी के विकास के लिए नियामक व्यवस्थाओं के संबंध में और कृषि वानिकी, प्रमाणन ढांचा और कृषि वानिकी उत्पादों के लिए बाजार तंत्रविकसित करने और व्यावहारिक सिफारिशों को अंतिम रूप दिया है। अरुण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् और डॉ अनुपम जोशी, वरिष्ठ पर्यावरण समाजवादी ने राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की औरकार्यशाला के सफल आयोजन हेतु समस्त विशेषज्ञों, प्रतिनिधियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। यह भी कहा की कार्यशाला की संस्तुतियाँ कृषि वानिकी को बढ़ावा देने में अहम योगदान प्रदान करेंगें, जो कि देश के हरित आवरण को बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि एवं राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को 2030 तक पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होंगें।

शिक्षाविद डॉ. षणमुगम ने राज्यपाल से की मुलाकात

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को डॉ. षणमुगम महालिंगम ने राजभवन में मुलाकात की। डॉ. षणमुगम महालिंगम एक शिक्षाविद हैं जो तीन दशकों से अधिक समय तक राज्य एवं केन्द्र सरकार में विभिन्न पदों पर रहे हैं। वे कृषि मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एमएसपी के पूर्व चेयरमैन भी रहे हैं। उन्होंने राज्यपाल से उत्तराखण्ड में पहली इंटरनेशनल एजुकेशन सिटी को स्थापित करने के प्रस्ताव से संबंधित विस्तृत चर्चा की। गौरतलब है कि इंटरनेशनल एजुकेशन सिटी के माध्यम से उच्च शिक्षा में आधुनिकीकरण और इसमें सकारात्मक परिवर्तन पर बल दिया जा सकेगा। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के सहयोग से उच्च शिक्षा में आधुनिकीकरण और नवीन शोध को मदद मिलेगी। इंटरनेशनल एजुकेशन सिटी में प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय विश्वविद्यालय कैम्पस, अंतर्राष्ट्रीय खेल एवं योगा पार्क, अंतर्राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन अकादमी, योगा, खेल और तकनीकी, पर्यटन, और ग्लोबल स्टूडेंट विलेज मुख्य घटक होंगे। इसमें उच्च शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ पाठ्यक्रम और उद्योग की आवश्यकताओं में नवाचार की खाई को भरने के लिए वातावरण भी प्रदान किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के लिए उत्तराखण्ड में ही दुनिया के सर्वोत्तम संसाधन और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है। इस प्रोजेक्ट की संकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित है। राज्यपाल ने इस प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए इसे उत्तराखण्ड में इसके बेहतर परिणाम सामने आने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं को शैक्षिक उन्नयन में मदद मिलेगी जो उनके क्षमता, शोध एवं अनुसंधान और शिक्षा को नए स्तर पर ले जाएगा। उत्तराखण्ड में स्वास्थ्य, पर्यटन, फिल्म, योगा, खेल और तकनीकी को इससे लाभ मिलेगा और इन सभी के लिए इंटरनेशनल एजुकेशन सिटी गेम चेंजर साबित हो सकती है। राज्यपाल ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री सहित उच्चाधिकारियों से भी वार्ता की जायेगी। इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, भी उपस्थित रहे।

पर्वतीय संस्कृति का प्रतीक उत्तरायणी महोत्सव का आयोजन कल से

8 जनवरी से 15 जनवरी तक घुघुतिया त्यार महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों शिरकत करेंगे लोक गायक

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पर्वतीय संस्कृति का प्रतीक उत्तरायणी महोत्सव घुघुतिया त्यार कल रविवार 8 जनवरी से आगामी 15 जनवरी तक पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। पत्रकारों से वार्ता करते हुए पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस बार भी पर्वतीय संस्कृति और समाज पर आधारित मेले का आयोजन भव्य रुप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विगत दिनों पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच के कार्यक्रमों को बाधित करने का प्रयास किया गया उसका पर्वतीय समाज ने एकजुट होकर सामना किया। उन्होंने बताया संस्था के प्रति अपने भावनात्मक लगाव का सभी ने परिचय दिया है। उससे यह साबित हो चुका है कि पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच को आघात पहुंचाने वालों को सबक सिखाने के लिए पर्वती समाज एकजुट है। इस घटना ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि संस्था निर्विरोध रूप से गैर राजनीतिक है। यही कारण है कि हमारी संस्कृति पर किए जा रहे आघात का सभी ने एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच ने विगत 40 वर्षों से एकजुट होकर संघर्ष किया और पर्वतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा मंच में पर्वतीय संस्कृति से संबंधित सभी धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम यहां आयोजित किए जाते हैं। कोरोना के बाद इस साल उत्तरायणी मेला घुघुतिया त्यार पर्वतीय संस्कृति और समाज की भावनाओं को प्रदर्शित करने तथा इसे बरकरार रखने के लिए यह ऐतिहासिक मंच बनाया गया है। मंच के महामंत्री मुकेश चंद्र शर्मा ने बताया कि इस बार उत्तरायणी मेले को भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान मेला संयोजक, सांस्कृतिक संयोजक तथा रैली संयोजक सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। सांस्कृतिक संयोजक ने बताया कि 8 जनवरी से 15 जनवरी तक मेले के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान कुमाऊं एवं गढ़वाल के जाने माने लोक गायकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिरकत की जाएगी। पत्रकार वार्ता के दौरान संरक्षक भुवन चंद्र जोशी, एनवी गुणवंत, हुकम सिंह कुंवर, हेमंत सिंह बगड़वाल, पूरन चंद भंडारी, गोपाल सिंह बिष्ट, शोभा बिष्ट, रत्ना श्रीवास्तव, ज्योति पाठक समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

एनएमएमएस के माध्मय से उपस्थिति दर्ज कराने का ग्राम प्रधान संगठन ने किया विरोध

बागेश्वर(उद संवाददाता)। मनरेगा के अंतर्गत एनएमएमएस के माध्मय से उपस्थिति दर्ज कराने का ग्राम प्रधान संगठन ने विरोध शुरू कर दिया है। नाराज प्रधानों ने जिला

मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से पहाड़ों की भौगोलिक परिस्थिति के अनुसार नियम बनाने की मांग की है। जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्राम प्रधान संगठन के बागेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष बसंत कुमार टम्टा के नेतृत्व में ग्राम प्रधान शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां जोरदार नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने एक जनवरी से राज्य में मनरेगा में मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से लागू किया है। जिसका ग्राम प्रधान संगठन विरोध करता है। प्रदेश की भौगोलिक परिस्थिति ऐसी है कि अधिकतर गांवों में नेटवर्क नहीं है। कई किमी पैदल मार्ग है। यहां यह सिस्टम लागू होना संभव नहीं है। एमआईएस साइट को दिनों-दिन जटिल बनाया जाना, एमआईएस में आधार, एफटी, भुगतान की समस्या, प्रधानों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिए बगैर एनएमएमएस लागू करना ठीक नहीं है। मनरेगा के तहत गांव में 20 ही कार्य किए जाने की बाध्यता ठीक नहीं है। इस कारण गांव में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सीएम को ज्ञापन सौंपकर एनएमएमएस सिस्टम समाप्त करने की मांग की है। मांग करने वालों में सरिता देवी, हयात सिंह, दीपा, गीता देवी, गणेश सिंह, जीवन लाल, नवीन कुमार, गणेश सिंह, मनोज कुमार, मनोज थापा, घनश्याम राणा तथा महेंद्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

कच्ची शराब समेत तस्कर गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान एक और कच्ची शराब के तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 45 लीटर जहरीली शराब बरामद किया है। जरूरी पूछताछ के बाद गिरफ्तार शराब तस्कर का पुलिस द्वारा चालान करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया। कार्यवाही के बारे में पता चला है कि कोतवाली पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने श्मशान घाट स्थित हरिनगर की ओर जाने वाले मार्ग से संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए मेहतावन बाजपुर निवासी रणजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय प्यारा सिंह को शक के आधार पर गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 45 लीटर जहरीली शराब बरामद किया। पूछताछ के बाद पकड़े गए शराब तस्कर का धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया।

राजा जगत देव जी की जयंती मनाई

गदरपुर(उद संवाददाता)। बुक्सा आदिम जनजाति उत्थान समिति के पदाधिकारियों द्वारा बुक्सा जनजाति के अराध्य राजा जगत देव जी की जयंती नगर स्थित तुलिया धर्मशाला में मनायी गई। इस दौरान मौजूद लोगों ने राजा जगत देव जी के चित्र के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित की । बुक्सा जनजाति को संघर्ष में जीवन जीने की प्रेरणा श्रदेय राजा जगत देव से विरासत में प्राप्त हुई है व विभिन्न कुर्बानियों के माध्यम से राजा जगत देव आज बुक्सा जनजाति समाज के साथ समाज के प्रेरणा स्रोत बन गए

हैं। वक्ताओं ने कहा कि बुक्सा जनजाति समाज के युवा वर्ग को राजा जगत देव के जीवन की शिक्षाओं के संघर्षों को आत्मसात करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति को तत्पर रहना चाहिए। इस मौके पर गोविन्द सिंह, सोमल सिंह, संजय सिंह, आनंद सिंह, कैलाश सिंह, लच्छू सिंह, मोहन सिंह, डिम्पल देवी, इमरतो देवी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

उत्तरायणी मेले के भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर

बागेश्वर (उद संवाददाता)।नगर पालिका द्वारा उत्तरायणी मेले के भव्य आयोजन को लेकर पालिकाध्यक्ष सुरेश खेतवाल ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है।730 दिन बाद फिर हो रहे ऐतिहासिक मेले में कोई कोर कसर न छूट जाए इसके लिए लगातार तैयारियां की जा रही है। वही मेले के भव्य आयोजन को लेकर विभिन्न समितियों को जिम्मेदारी दी जा रही है। पालिका ध्यक्ष ने सभासद,मेला नोडल अधिकारी, और समिति के सदस्यो के साथ बैठक की। जिसमें मेले में विभिन प्रकार के खेल

प्रतियोगिताओं, झांकियां,ऐपन, सांस्कृतिक कार्यक्रमो के बेहतर आयोजन करने के लिए चर्चा की गई, और सभी पदाधिकारियों से रायसुमारी की गई। वही मेले के बेहतर क्रियान्वयन और बेहतर संचालन और मेले की महत्ता को विश्व पटल पर आकर्षित करने के लिए सभी सदस्यों ने किस तरह से मेले में कार्यक्रम को भव्यता से आयोजित किया जा सके इसके लिए अपने विचार रखे।इस दौरान बैठक में ईओ सतीश कुमार,सभासद नीमा दफौटी, प्रेम सिंह हरड़िया,कैलाश आर्या, मनोज कुमार,दीपक खेतवाल, वृक्ष मित्र किशन सिंह मलड़ा,जयंत सिंह भाकुनी, वरिस्ठ नागरिक न्यास मंडल के अध्यक्ष रणजीत सिंह बोरा, दलीप सिंह खेतवाल, इंद्र सिंह परिहार,बीआर आगरी,दीपक रौतेला, महिपाल भरड़ा आदि मौजूद थे।

राष्ट्र और समाज हित में नेत्रदान से अमर हो गई ललिता देवी की आंखे

गदरपुर(उद संवाददाता)।अमर होने का आसान तरीका जाते जाते नेत्रों का दान देश एवं समाज हित के लिए किए जाए ताकि इस दुनिया को देखने के लिए

इंतजार कर रहे नेत्रहीनों को रोशनी मिल सके। इससे बड़ी भी देश भक्ति क्या हो सकती है।नगर के वरिष्ठ समाजसेवी जीवन चंद्र कांडपाल की धर्मपत्नी श्री मति ललिता कांडपाल का आकस्मिक निधन होने के उपरांत परिवार ने उनकी इच्छानुसार नेत्रदान करवाए। कांडपाल परिवार ने दुख की इस घड़ी में समाज हित को सर्वोपरि रखा दिवंगत ललिता कांडपाल जी जाते-जाते किन्ही दो लोगो के जीवन में रोशनी कर अमर हो गई। लोगों द्वारा ईश्वर से कांडपाल परिवार को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने एवम दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना के साथ परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की विनती की गई। इस दौरान सोचो डिफरेंट संस्था के संदीप चावला एवं मनोज कुमार द्वारा अपनी संवेदनाएं प्रकट की गई।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

कालिजियम की सिफारिशों का हल

पिछले कुछ समय से न्यायाधीशों की नियुक्ति और इससे जुड़े अन्य सवालों को लेकर व्यवस्थागत मसले पर सरकार और न्यायपालिका के बीच जिस तरह की खींचतान देखी जा रही है, वह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। हाल में नौबत यहां तक पहुंच गई थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति के मामले में कालिजियम प्रणाली पर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव जैसी स्थिति बनती देखी गई। हालांकि यह ऐसा विषय है, जिस पर सरकार और न्यायपालिका को मिल कर कोई ठोस हल निकालने का प्रयास करना चाहिए था, लेकिन विडंबना यह है कि फिलहाल कुछ सकारात्मक संकेतों के बावजूद इस समस्या के हल के बिंदु स्पष्ट नहीं हो पा रहे हैं, जबकि इससे जुड़े प्रश्नों से उपजी जटिलताएं अब भी बरकरार हैं। इसी मसले पर अब संसद की एक समिति ने भी हैरानी जताई है कि सरकार और उच्चतम न्यायालय करीब सात साल बाद भी कालिजियम प्रक्रिया ज्ञापन पर आपस में कोई सहमति बनाने में विफल रहे हैं। यह प्रक्रिया ज्ञापन शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्त, पदोन्नति और तबादले से जुड़ा है। गौरतलब है कि सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच इस मुद्दे पर पिछले सात साल से विचार-विमर्श चल रहा है और दोनों पक्षों ने इस पर कई मौकों पर आपस में विचारों का आदान-प्रदान किया है। विचित्र है कि जो मामला समूचे न्यायपालिका के ढांचे को प्रभावित करता है और इसका असर मुकदमों की सुनवाई या न्यायिक गतिविधियों की रफ्तार पर पड़ता है, उसके समाधान तक पहुंचने को लेकर पर्याप्त सक्रियता नहीं दिख रही। जबकि आए दिन यह सवाल उठता रहता है कि देश की विभिन्न अदालतों पर मुकदमों का कितना बोझ है और न्यायालयों की रिक्तियां भरने के मामले में समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए जाते। अदालतों में जजों के खाली पदों के समांतर व्यवस्थागत स्थिति यह है कि सरकार सिर्फ उन्हीं को उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करती है, जिनकी सिफारिश शीर्ष अदालत के कालिजियम की ओर से की जाती है। कुछ समय पहले कानून मंत्री ने संसद में कहा था कि जब तक न्यायाधीशों की नियुक्ति का तरीका नहीं बदलेगा, तब तक नियुक्तियों और खाली पदों पर सवाल उठते रहेंगे। अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर देश भर की अदालतों में जरूरी तादाद में न्यायाधीश नहीं हैं, तो इसके क्या कारण हैं। ऐसे में संसदीय समिति की ओर से व्यक्त आश्चर्य स्वाभाविक ही है कि जो मसला कई स्तर पर न्यायिक गतिविधियों को प्रभावित करता रहा है और आज उस पर एक तरह से सरकार और शीर्ष अदालत दो पक्ष बन गए दिख रहे हैं, वह इतने लंबे वक्त से विचार के बावजूद किसी ठोस हल तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि खुद संसदीय समिति की रिपोर्ट में न्याय विभाग की ओर से दिए गए विवरणों के हवाले से बताया गया कि 2021 में उच्च न्यायालय के कालिजियम द्वारा दो सौ इक्यावन सिफारिशें की गई थीं। यह एक उदाहरण भर है। यह छिपा नहीं है कि देश के न्यायालयों और खासतौर पर निचली अदालतों में मुकदमों के अंबार और न्याय में देरी की क्या वजहें हैं। फिलहाल ऊपरी अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति और खाली पदों की समस्या का हल करने के लिए स्पष्ट पहलकदमी की जरूरत है। यों शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन देते हुए केंद्र सरकार ने कहा है कि न्यायिक नियुक्तियों पर जो समय सीमा है, उसका पालन किया जाएगा और लंबित पड़े कालिजियम की सिफारिशों को जल्दी ही मंजूरी दे दी जाएगी। संसदीय समिति की चिंता के बाद अब केंद्र सरकार के रुख से उम्मीद की जानी चाहिए कि संबंधित पक्ष मिल कर इस मुद्दे का एक ठोस हल निकालेंगे।

टीएमयू हॉस्पिटल में अब नई तकनीक से हार्ट सर्जरी

मुरादाबाद(उद ब्यूरो)।तीर्थंकर महावीर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में हार्ट के रोगियों के लिए गुड न्यूज है। अब हार्ट से जुड़ी किसी समस्या या आधुनिक ऑपरेशन के लिए दिल्ली या नोएडा के चक्कर नहीं लगाने होंगे। टीएमयू अस्पताल के कार्डियोथैरेसिक सर्जरी विभाग में हार्ट की सर्जरी की आधुनिक तकनीक- वीडियो असिस्टेड सर्जरी-वीएटीएस के जरिए हार्ट और चेस्ट के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। टीएमयू के कार्डियोथैरेसिक सर्जन डॉ. आयुष श्रीवास्तव वीएटीएस तकनीक से अब तक तीन सफल सर्जरी कर चुके हैं। मुरादाबाद में इस विधि से केवल तीर्थंकर महावीर हॉस्पिटल में सर्जरी हो रही है। डॉ. आयुष ने बुखारीपुर, अमरोहा के पेशेंट सोनू शर्मा के फेफड़ों की सर्जरी की है। सोनू को बाइक एक्सीडेंट में फेफडें में चोट लग गई थी, जिसके कारण उनमें खून जम गया था। सोनू के परिवार वालों ने कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन सभी ने बड़े ऑपरेशन को कहा। अंत में परिवार वाले उन्हें टीएमयू अस्पताल में लाए और कार्डियोथैरेसिक सर्जन डॉ. आयुष श्रीवास्तव से मिले। डॉ. आयुष ने मरीज की जांच के उपरांत वीडियो असिस्टेड थैरेसिक सर्जरी-वीएटीएस के जरिए सोनू के फेफड़ों का ऑपरेशन किया। जो सामान्यत: ओपन ऑपरेशन की तुलना में कम जटिल, कम दर्द और कम खर्चीला होने के साथ-साथ जल्द ही रिकवरी वाला था। सफल ऑपरेशन के बाद अब सोनू को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉ. आयुष हार्ट और लंग्स से जुड़ी अब तक 150

से अधिक जटिल सर्जरी कर चुके हैं। इसके अलावा डॉ. आयुष और उनकी टीम ने एक और पेशेंट राजीव कुमार की छाती का ऑपरेशन भी वीएटीएस तकनीक से किया है। राजीव के छाती में गांठें थीं। टीएमयू के अलावा और सभी डॉक्टरों ने भी उन्हें ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। सीने का ऑपरेशन सुनकर मरीज और घरवाले घबरा गए। वे टीएमयू आए तो उन्हें डॉ. आयुष ने दूरबीन की सहायता से इस ऑपरेशन को करने की सलाह दी थी। उन्होंने ऑपरेशन कराया और सफल भी हुआ। अब पेसेंट बिल्कुल स्वस्थ है। तीसरा केस 25 बरस की युवती आरती का था, जिसको टीबी की समस्या था। आरती के फेफड़ों में पस जम गया था। टीबी का संक्रमण बढ़ रहा था। ऐसे में फेफड़ों में जमा पस साफ करना जरूरी था। इसी को ध्यान में रखकर डॉ. आयुष और उनकी टीम ने आरती के फेफड़ों का वीडियो असिस्टेड थैरेसिक सर्जरी-वीएटीएस के जरिए ऑपरेशन किया और फेफड़ों की सफाई की। तीनों ऑपेशन सफल हुए हैं। सभी मरीज स्वस्थ हैं। सभी को अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई है। डॉ. आयुष कहते हैं, जब किसी मरीज से फेफड़ों या दिल के ऑपरेशन की बात की जाती है तो यह पेशेंट और परिवार वालों के लिए किसी झटके से कम नहीं होता है। आम तौर पर लोगों के जेहन में ऑपरेशन को लेकर चीरा, टांके और दर्द की तस्वीर बनी होती है, लेकिन इस तकनीक में नाममात्र का कट है। न दर्द है और न ज्यादा समय बिस्तर पर रहने की जरूरत है। यदि किसी को दिल या फेफड़ों से जुड़ी कोई समस्या है, तो वे डरें नहीं टीएमयू अस्पताल में आए और हमसे सम्पर्क करें। उल्लेखनीय है, इस विधि में छाती की दीवार में एक या दो छोटे कट के माध्यम से छाती में एक छोटा कैमरा और सर्जिकल उपकरण डाला जाता है। थोराकोस्कोप नामक कैमरा, छाती के अंदर की छवियों को एक वीडियो मॉनिटर को भेजता है। एक पारंपरिक ओपन सर्जरी- थोराकोटॉमी में सर्जन पसलियों के बीच छाती को काटता है। ओपन सर्जरी की तुलना में वीएटीएस में कम दर्द, कम जटिलताएं और कम रिकवरी समय होता है। वीएटीएस सर्जरी में आमतौर पर 2 से 3 घंटे लगते हैं। आपको कुछ दिनों के लिए अस्पताल में रहने की आवश्यकता हो सकती है।

जिला पंचायत ने ग्रामीणों को बांटे डस्टबिन

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिला पंचायत द्वारा विभिन्न जिला पंचायत क्षेत्रों के विभिन्न गाँवो में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है,वही जिपं द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को जागरूक कर उन्हें स्वच्छता का संदेश देकर जागरूक किया जा रहा है।हम स्वच्छ बनें सबको स्वच्छ बनाए, हम साफ तो हम सभी साफ की नीति पर सफाई के प्रति जागरूक कर लोगों को घरों का कूड़ा डस्टबिन में डालने, घरों के कूड़े के निस्तारण के लिए जैविक अजैविक कूड़े के निराकरण कर कूड़ा निस्तारण से उसे उचित माध्यम से कूड़े का सदुपयोग कर इससे खाद निर्माण करने की जानकारी दी।जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव ने बताया कि गांव स्वच्छ तो

नगर भी स्वच्छ, स्वच्छता मिशन के तहत जिले को स्वच्छता में अग्रणी बनाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों को कूड़ा निस्तारण के लिए डस्टबिन का वितरण किया जा रहा है,अब तक करासीबूंगा, पिंगलो, कौसानी, आंणा, भकुनखोला व जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अंतर्गत 16सौ से अधिक डस्टबिनो का वितरण किया जा चुका है,वहीविभिन्न जिपं सदस्यों द्वारा अपनी निधि से भी डस्टबिनो का वितरण कराया जा रहा है। एएमई राजेश कुमार ने बताया कि जिपं स्वच्छता मिशन के तहत जागरूकता अभियान चला रही है। विभिन्न गाँवो में जिपं सदस्यों, ग्राम प्रधानों के साथ स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है।जिपं सदस्य नवीन नमन ने बताया कि उनके द्वारा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों मेंदुकानदारों और अन्य लोगों को अपने वित्त से दस्तबिन का वितरण कराया जा रहा है।

काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से

बचपन में एक समाज सुधारक के बारे में कहानी पढ़ी थी। ठीक से ध्यान नहीं आ रहा है। यह कहानी मैंने अपने स्वार्गीय मामा के यहाँ शायद पढ़ी थी। एक परिचित को कचहरी में किसी दस्तावेज पर एक सज्जन के हस्ताक्षर की जरूरत थी। इसके लिए अगली सुबह मिलना तय हुआ लेकिन वह सज्जन नहीं पहुँच पाए। वह परिचित बहुत परेशान रहा। दोपहर बाद सज्जन भीषण बरसात में भीगते हुए उनके घर आये. बोले श्क्षमा कीजिएगा। अल -सुबह मेरी अर्द्धांगिनी का देवलोकगमन हो गया था। उनके अंतिम संस्कार में समय लग गया जिसके चलते नहीं पहुँच पाया। इस वाकये का जिक्र आज इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि बीते दिनों देश के प्रधानसेवक नरेंद्र दामोदरदास मोदी की मां हीरा बा के निधन ने इस घटना की याद दिला दी। 2022 की अंतिम बेला में इस खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी की मां बीमार थी। वो कुछ समय पहले उनको देखने भी गए थे। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा था और डाक्टरों की टीम उनकी निगरानी भी कर रही थी लेकिन अचानक उनका 100 वर्ष की उम्र में निधन हो जाएगा, इसका किसी को अंदाजा नहीं था। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के निधन होने के बाद बेहद सादगी से शवयात्रा निकल सकती है इसे पूरे भारत ने अपनी आँखों से देखा है, जिसने एक चाय वाले को 2014 में देश का प्रधान सेवक बनाया है। आज जब शवयात्राएं भी मेगा इंवेट में तब्दील हो चुकी हैं तो ऐसे माहौल के बीच इस सादगीपूर्ण शवयात्रा में बेहद सामान्य बेटे नजर आते रहे नरेन्द्र मोदी ने एक तरह से जननी और जन्मभूमि दोनों के लिए अपने कर्तव्यों का अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया है। देश का प्रधानसेवक बिना तामझाम के सादगी के साथ अपनी मां को श्मशान घाट तक ले गया और उसे मुखाग्नि दी। जिसने भी सुबह टेलीविजन पर इस यात्रा को देखा इसे देखकर वो विस्मय से भर गया। इससे पहले शुक्रवार सुबह पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, शानदार शताब्दी का ईश्वर चरणों में विराम...मां में मैंने हमेशा उस त्रिमूर्ति की अनुभूति की है, जिसमें एक तपस्वी की यात्रा, निष्काम कर्मयोगी का प्रतीक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध जीवन समाहित रहा है। मैं जब उनसे 100वें जन्मदिन पर मिला तो उन्होंने एक बात कही थी, जो हमेशा याद रहती है कि काम करो बुद्धि से और जीवन जियो शुद्धि से। देश के प्रधानमंत्री मोदी बेहद सादगी के साथ अपनी मां के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। हमारे देश के टीवी न्यूज चौनलों के लिए यह एक बड़ा इवेंट बन सकता था। मां-बेटे की वो अंतिम बेला कई हफ्तों तक टीआरपी के लिए भी बलशाली बन सकती थी। प्रधानमंत्री की मां का निधन कब हुआ, यह निधन की खबर भी देर रात 3.30 बजे जारी हुई। अंतिम यात्रा को देखने के लिए लोग खबरिया चौनलों टीवी स्क्रीन पर टकटकी भी नहीं गड़ा पाए, उससे पहले सुबह हीरा बा की अंतिम विदाई की यात्रा प्रधानसेवक ने बिना तामझाम के पूरी कर ली और उसके 2 घंटे बाद बाद नरेन्द्र मोदी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ रूटीन काम करने लग गए । उनकी इस कर्म-निष्ठा और कर्तव्यपरायणता ने एक बार फिर साबित किया है कि नरेन्द्र मोदी दुनिया के नेताओं में क्यों सर्वश्रेष्ठ हैं ? आखिर क्यों मोदी को सच्चा कर्मयोगी कहा जाता है और वे अपने हर फैसलों में न केवल चौंकाते हैं बल्कि लीक से अलग हटकर चलते हैं ? राज्यों के मुख्यमंत्रियों और तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह कहकर गुजरात आने से मन कर दिया गया कि वे अपने काम पर ध्यान दें और जहाँ हैं वहीँ से उनकी मां को श्रद्धांजलि दें । प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा कहा नहीं ,बल्कि खुद किया भी। वह माँ के अंतिम संस्कार में रोये भी नहीं। अंतिम समय में पीएम मोदी ने अपनी मां को मुखाग्नि दी, तब सिर्फ उनके भाई, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कुछ दूसरे बेहद करीबी लोग ही शामिल हुए। इसके तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी अपने कर्तव्यपथ पर लौट गए। उस दिन प्रधानसेवक मोदी वन्दे भारत ट्रेन के उदघाटन के कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए और उन्होंने निजी कारणों के चलते कार्यक्रम में शामिल न हो पाने के लिए लोगों से खेद भी प्रकट किया । इतना ही नहीं प्रधानमंत्री मोदी ने उसी दिन दुनिया के महान फुटबाल के खिलाड़ी पेले के निधन पर ट्वीट के जरिये अपना शोक भी प्रकट किया। यहीं नहीं रूड़की में शुक्रवार की सुबह टीम इंडिया के विकेटकीपर ऋषभ पंत के साथ हुए सड़क हादसे पर अपनी संवेदना व्यक्त की और उनकी मां से बात भी की। दरअसल विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य से मुँह न मोड़ना हमारे देश की महान परम्पराओं में शामिल रहा है। इसे आदर्श जीवन शैली का एक प्रमुख हिस्सा माना गया है लेकिन आज के दौर में ये सभी परंपराएं पीछे छूटती जा रही हैं। प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी ने इसे आगे बढ़ाने का एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया है। हीरा बा के बारे में पढ़िए। बेटे के देश के प्रधानमंत्री होने के बाद भी वो मां होने के आभामंडल से हमेशा दूर रही। आसपास के पड़ोसी बताते हैं उनसे मिलकर कभी लगता ही नहीं था वो नरेंद्र मोदी की मां हैं। धन्य है ऐसी मां जिसने नरेंद्र को प्रधानसेवक के पद तक पहुंचाया। उनकी मां कहा भी करती थी एक साधु ने एक बार उनसे कहा भी था आपका बेटा एक दिन बहुत ऊंचाई पर पहुंचेगा। उसे बहुत आगे जाना है। उन्होंने अपनी माँ के आशीर्वाद से इसे साकार कर दिखाया। सभी के साथ सहज व्यवहार और अपनेपन से हीरा बा ने विशेष पहचान बनाई थी। ऐसे विलक्षण उदाहरण देखने को नहीं मिलते हैं। हीरा बा की सादगी और उनके बेटे के कर्तव्यपरायण आचरण ने देश और दुनिया को बहुत कुछ सीख देते हैं। बेटा चाहे जितना बड़ा हो जाए, लेकिन मां के लिए वह सिर्फ बेटा ही रहता है यह संदेश हमारे प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी ने पूरे विश्व को दिया है। आज भी प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने के बाद भी वो अपने संस्कार नहीं भूले हैं । यह भी याद दिलाया है कि मां को अंतिम विदाई देने का वक्त कठिनतम होता है किंतु ऐसे समय भी धैर्य और संयम जरूरी है। उनकी इस सादगी ने अपरोक्ष रूप से यह संदेश भी दिया है कि दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना के साथ अपने कर्मपथ पर चलना भी जरूरी है। मां के प्रति स्नेह-समर्पण के साथ हमेशा उन्होंने देश के प्रति अपना कर्तव्य भी हमेशा याद रखा है। हीरा बा के संघर्ष के बारे में प्रधानमंत्री मोदी कई बार भावुक अंदाज में जिक्र कर चुके हैं। साल 2015 में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने अपनी मां के संघर्षों को याद करते हुए कहा था श्मेरे पिताजी के निधन के बाद मां हमारा गुजारा करने और पेट भरने के लिए दूसरों के घरों में जाकर बर्तन साफ करती थीं और पानी भरती थीं।श इस दौरान पीएम मोदी भावुक होकर रो पड़े थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मां हीरा बा के 100वें जन्मदिन पर लिखे ब्लॉग में कहा था कि उनकी मां हीराबेन को सुबह 4 बजे ही उठने की आदत हमेशा रही है । सुबह-सुबह ही वो बहुत सारे काम निपटाती थीं। गेहूं पीसना हो, बाजरा पीसना हो, चावल या दाल बीनना हो, सारे काम वो खुद करती थीं। इसके साथ ही वे अपनी पसंद के भजन भी गुनगुनाती रहती थीं। पीएम मोदी ने तब कहा था कि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि मेरे जीवन में जो कुछ भी अच्छा है और मेरे चरित्र में जो कुछ भी अच्छा है, उसका श्रेय मेरे माता-पिता को जाता है। पीएम मोदी ने अपनी मां के जन्मदिन के मौके पर कहा कि कैसे उनकी मां नारीत्व और सशक्तिकरण की सच्ची प्रतीक रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बचपन के किस्सों की मदद से अपनी मां के हर गुण को बताया है, जो उनके जीवन को हर काम से जुड़ा हुआ है। पीएम मोदी ने ब्लॉग में कहा था कि उनकी मां एक 'आदर्श जीवन' जीने के लिए एक मार्गदर्शक की तरह हैं। कैसे उनकी मां ने उन्हें सिखाया कि औपचारिक शिक्षा के बिना भी अच्छी बातों को सीखना संभव है। ऐसा पहली बार हुआ था कि पीएम मोदी ने सार्वजनिक मंच पर निजी भावनाओं को व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था मां कभी यह नहीं चाहती थीं कि हम भाई-बहन अपनी पढ़ाई छोड़कर उनकी मदद करें। हिन्दू संस्कृति में मृत्यु के 12 दिनों के बाद तेरहवीं का नियम है। इसी दिन पीपलपानी भी होता है। अंत्येष्टि के कम से कम तीन दिन तो सूतककाल होता है लेकिन प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी जो हैं जिनके लिए देश सब कुछ है। वो दो घंटे बाद ही अपने दैनिक कार्यों को करने में जुट गए। आज तक बीते 8 वर्षों में प्रधानसेवक मोदी ने एक दिन का अवकाश भी नहीं लिया। कहा जाता है जीवन में एक बार उनको दंतपीड़ा हुई जिसका उन्होनें इलाज करवाया था । जिस नरेंद्र को हीरा बा ने गढ़ा हो उस बेटे को संस्कार भी उसके जैसे ही मिलेंगे। बा के दिए संस्कारों का ही प्रताप है कि दु:ख की बेला में भी कर्म को प्रधान मानने वाले नरेंद्र मोदी की चमक एक बार सोने जैसी तो हो ही गई है । ये समाचार छपकर जब आप तक पहुंचेगा तो तय मानिए सोशल मीडिया में प्रधानसेवक नरेन्द्र मोदी की मां के देवलोकगमन की तस्वीरें और वीडियो करोड़ों बार देखे जा चुके होंगे। बड़ा प्रधान नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने अपने इस पुण्यकार्य से समाज के सामने एक अनुकरणीय मिसाल भी पेश की है। हीरा बा को सादर अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि ! ईश्वर हीरा बा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और उनकी दिवंगत आत्मा को शांति मिले।

-हर्षवर्धन पाण्डे (लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

पहाड़ से मैदान तक कड़ाके की ठंड, घरों में अंगीठी का सहारा

ऊधमसिंहनगर और हरद्विार में कोहरे और शीतलहर से हाथ-पैर ठंडे पड़ रहे,बारिश और बर्फबारी नहीं होने से काश्तकार परेशान

देहरादून/ऊधमसिंहनगर(उद संवाददाता)। प्रदेश के मैदान से लेकर पहाड़ तक अधिकांश शहरों में शीतलहर का सितम बढ़ गया है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश के सात प्रमुख शहरों में न्यूनतम पारा पांच डिग्री तक लुढ़क गया है। जिससे दिन में भी ठंड से निजात नहीं मिली। पहाड़ तो दूर देहरादून और हरिद्वार जैसे मैदानी जनपदों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। घरों में अंगीठी का सहारा लेने पर भी ठंड से पूरी तरह से निजात नहीं मिल रही है। रात में पड़ रहा पाला इस तरह से जम रहा है कि मानों बर्फ पड़ गई हो। ऊंचाई वाले गांवों में पेयजल लाइनें जमने से पानी का संकट भी गहराने लगा है। पाले के जमने की वजह से किसान मवेशियों के लिए चारा पत्ती लाने को जंगलों में भी नहीं जा पा रहे हैं। सूर्यदेव के दर्शन होने पर ही जंगलों से चारा पत्ती का जुगाड़ किया जा रहा है।प्रदेशभर में शुक्रवार को दिनभर हल्की धूप खिली रही, लेकिन ठंडी हवाएं चलने से धूप का एहसास बहुत कम हुआ। देहरादून का न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री नीचे रिकार्ड किया गया। ऊधमसिंह नगर में भी दिनभर कोहरा छाया रहा। रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, टिहरी, उत्तरकाशी में न्यूनतम तापमान पांच से छह डिग्री के बीच रिकार्ड किया गया। केदारनाथ में न्यूनतम तापमान मानइन 4 डिग्री रहा। देहरादून में हल्की धूप खिलने से गढ़ीकैंट, एफआरआइ, क्लेमेनटाउन, प्रेमनगर आदि क्षेत्रों में रात की ओस से दिनभर सड़कें गीली रही। मसूरी में दोपहर को भी ठंडी हवाओं ने बेहाल किया। दोपहर बाद तीन बजे से एक बार फिर

कड़ाके की ठंड पड़ने से स्थानीय दुकानदार व सैलानी घरों और होटलों में दुबकने को मजबूर हो गए। हरिद्वार, ऋषिकेश, डोईवाला में शाम पांच बजे से देर रात तक और फिर सुबह चार बजे से 11 बजे तक कोहरा छा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि उत्तराखंड में शनिवार को भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। रविवार को उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, व चमोली जनपद के ऊंचाई वाले इलाकों में वर्षा एवं हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। निचले क्षेत्रों में बादल छाये रहने और कहीं-कहीं हल्की वर्षा की संभावना है। आठ जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है इससे उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम के करवट बदलने और वर्षा और बर्फबारी की संभावना बन रही है। उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ऊधमसिंहनगर का नूनतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। गढ़वाल से कुमाऊं मंडल तक मौसम शुष्क रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 22.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 1.1 डिग्री सेल्सियस रहा। देहरादून, हरिद्वार व रुड़की में दोपहर 12 बजे तक कोहरा छाए रहा। दोपहर एक बजे देहरादून का अधिकतम तापमान 22.3 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान शून्य से माइनस 03 डिग्री मुक्तेश्वर का रहा। मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि 8 जनवरी तक मौसम शुष्क रहेगा। हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, रुड़की व डोईवाला में घना कोहरा छाए रगेगा। इसके लिए एलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 83 दिनों से उत्तराखंड में बारिश नहीं हुई है। नवंबर व दिसम्बर में उत्तराखंड में 98 प्रतिशत बारिश सामान्य से कम हुई। सूखी ठंड व शीतलहर के कारण चकराता व ऊंचाई वाले ग्रामीण इलाकों में लोग कांप रहे हैं। कड़ाके की ठंड के कारण चकराता के बाजार देर से खुल रहे हैं और सांझ ढलने से पहले ही बंद हो रहे हैं। व्यापारी दिनभर में कुछ ही घंटे व्यापार कर पा रहे हैं। हालत ये हैं कि भयंकर पाला पड़ने के कारण पानी जम रहा है। इस बार जनवरी के प्रथम सप्ताह में भी बर्फबारी न होने से किसान व बागवानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। वर्षा न होने से जमीन में नमी प्रतिशत काफी कम होने की वजह से पड़ रहा पाला फसलों को झुलसा रहा है। उधर, पछवादून के विकासनगर, डाकपत्थर, सहसपुर, सेलाकुई, हरबर्टपुर क्षेत्र में कोहरा परेशानी की वजह बना हुआ है। इस बार मौसम के मिजाज ने हर किसी की परेशानी बढ़ा दी है। पारा माइनस में पहुंचने के कारण चकराता व ऊंचाई वाले गांव लोखंडी, लोहारी, जाड़ी समेत करीब डेढ दर्जन गांवों में कड़ाके की ठंड है। सुबह व शाम को शीतलहर ने सभी को कंपकपा दिया है। पाले की वजह से मटर, टमाटर आदि फसलें बर्बाद हो रही है। हिमालय से आ रही शीतलहर के कारण गर्म कपड़े पहनने के बाद भी हाथ-पैर ठंडे पड़ रहे हैं। जिससे सीएचसी चकराता की ओपीडी में कामन कोल्ड के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है।

मृत्यु शाश्वत सत्य है नेत्रदान मानवीय कृत्य है

जब किसी व्यक्ति का शरीर पूरा हो जाता है तो पूरे रीति-नीति से अन्तिम संस्कार सम्पन्न किया जाता है। उन व्यक्ति के साथ महत्वपूर्ण अंग भी (जो मृत्यु पश्चात किसी के काम आ सकते थे) अग्नि को समर्पित हो जाते हैं। भारत देश में कई करोड़ ऐसे लोग हैं जो देख नहीं सकते परन्तु यदि कॉर्निया प्रत्यारोपण

हो तो उन्हें दृष्टि मिल सकती है। यदि हम लोग मृत्यु पश्चात नेत्रदान का संकल्प लें तो इनमें से अधिकांश लोगों को नेत्रज्योति मिल सकती है।जब किसी परिवार में किन्हीं व्यक्ति की मृत्यु होती है तो ऐसे में परिजन शोकाकुल अवस्था में होने के कारण इस ओर ध्यान नहीं दे पाते। उस समय मित्रों, पड़ोसियों व अन्य सम्बन्धियों का दायित्व होता है कि वे इस बात का ध्यान रखें व परिजनों से नेत्रदान करवाने की बात कर अपनी निकट किसी संस्था को (जो नेत्रदान जागरूकता का कार्य कर रही हो) तुरन्त सूचित कर नेत्रदान प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए सहयोग करें। आप सबसे निवेदन है कि अगली बार आपको जब भी किसी व्यक्ति की मृत्यु का समाचार मिले तो शीघ्रातिशीघ्र परिजनों से बात करके सम्बन्धित संस्था को सूचित करें, जिससे समय से टीम को बुलाकर '(टीम को आने में भी समय लगता है)' नेत्रदान की प्रक्रिया सम्पन्न की जा सके। मानवता के इस कार्य में सहभागी बनें। मृत्यु के पश्चात 6 घण्टे के अन्दर नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण हो जानी चाहिए। इसमें केवल 15 से 20 मिनट का समय लगता है।

-संजय राधू,रूद्रपुर

जीवन के पहिये में संस्कार की हवा

ईश्वर ने मानव को जीने और जीने दो के सिद्धांत के आधार पर ही जीवन दर्शन दिया है। इसे मान-मर्यादा और गरिमा के साथ जीना चाहिए। येही कुदरत का दस्तूर है। अतुल्य, जिस प्रकार किसी को मनचाही गति में गाड़ी चलाने का अधिकार नहीं है, क्योंकि सड़क सार्वजनिक है। ठीक उसी प्रकार किसी भी लड़की को मनचाही अध नग्नता युक्त वस्त्र पहनने का अधिकार नहीं है क्योंकि जीवन सार्वजनिक है। एकांत मार्ग में गति से चलाओ, एकांत जगह में अर्द्धनग्न रहो। मगर सार्वजनिक जीवन में नियम मानने पड़ते हैं। भोजन जब स्वयं के पेट मे जा रहा हो तो केवल स्वयं की रुचि अनुसार बनेगा, लेकिन जब वह भोजन परिवार खायेगा तो सबकी रुचि व मान्यता देखनी पड़ेगी। लड़कियों का अर्धनग्न वस्त्र पहनने का मुद्दा उठाना उतना ही जरूरी है, जितना लड़को का शराब पीकर गाड़ी चलाने का मुद्दा उठाना जरूरी है। दोनों में दुर्घटना होगी ही। अपनी इच्छा केवल घर की चार दीवारी में उचित है। घर से बाहर सार्वजनिक जीवन मे कदम रखते ही सामाजिक मर्यादा लड़का हो या लड़की उसे रखनी ही होगी। घूंघट और बुर्का जितना गलत है, उतना ही गलत अर्धनग्नता युक्त वस्त्र गलत है। बड़ी

उम्र की लड़कियों और महिलाओं का बच्चों सी फटी निक्कर पहनकर छोटी टॉप पहनकर फैशन के नाम पर घूमना भारतीय संस्कृति का अंग नहीं है। आखिर लज्जा और सलिका मातृशक्ति का गहना है। जीवन भी गिटार या वीणा जैसा वाद्य यंत्र हो, ज्यादा कसना भी गलत है और ज्यादा ढील छोड़ना भी गलत है। संस्कार की जरूरत स्त्री व पुरुष दोनों को है, जीवन के दोनों पहिये में संस्कार की हवा चाहिए, एक भी पंचर हुआ तो जीवन व्यवधान होगा। नग्नता यदि मॉडर्न होने की निशानी है, तो सबसे अश्लील मॉडर्न जानवर है जिनके संस्कृति में कपड़े ही नही है। उनके जीवन में मर्यादा और सभ्यता ही नहीं है। अत: जानवर से रेस न करें, सभ्यता व संस्कृति को स्वीकारें। कुत्ते को अधिकार है कि वह कहीं भी पेशाब पास कर सकता है, सभ्य इंसान को यह अधिकार नहीं है। उसे सभ्यता से बन्द शौचालय उपयोग करना होगा। इसी तरह पशु को अधिकार है नग्न घूमने का, लेकिन सभ्य इंसान को उचित वस्त्र का उपयोग सार्वजनिक जीवन मे करना ही होगा। पूर्ण आवरण ही सुरक्षा कवच के साथ-साथ मानव से मानवता का घोतक है। पशुओं को तो सृष्टि ने अपनी लज्जा छुपाने शारीरिक रचना दी है, लेकिन मनुष्य को केवल और केवल पोशाक ही दी है। उसे भी निर्लज्जता से कम कर रहे हैं फिर जानवर और जन में क्या अंतर रहा है। कमशकम मानव होने का कर्म और धर्म तो निभाए इस बात का चिंतन-मनन करना बहुत ही जरूरी है। अत: विनम्र अनुनय है, सार्वजनिक जीवन मे मर्यादा न लांघें संस्कार, सभ्यता, शुचिता से जीवन जीये और जीने दें। तब ही जीवन में संस्कार के पहिए स्वच्छंदता से चलायमान रहेगें।

-हेमेन्द्र क्षीरसागर, पत्रकार, लेखक व स्तंभकार

पेज एक का शेष...

सीएम ने लिया हालातों..कि तात्कालिक एक्शन प्लान के साथ ही दीर्घकालीन कार्यों में भी लंबी प्रक्रिया को समाप्त करते हुए डेंजर जोन के ट्रीटमेंट, सीवर तथा ड्रेनेज जैसे कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएं। कहा, इसमें सरलीकरण तथा त्वरित कार्रवाई ही हमारा सबसे बड़ा मूलमंत्र होना चाहिए। जोशीमठ मामले पर जल्द से जल्द हमारी कार्ययोजना बिल्कुल तय होनी चाहिए। हमारे लिए नागरिकों का जीवन सबसे अमूल्य है। मुख्यमंत्री ने सचिव आपदा प्रबंधन, आयुक्त गढ़वाल मंडल और जिलाधिकारी से विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त कर निर्देश दिए कि चिकित्सा उपचार की सभी सुविधाओं की उपलब्ध ता रहे। जरूरी होने पर एयर लिफ्ट कर सकें, इसकी भी तैयारी हो।

शराब परोसने पर..खाली और आधी भरी हुई शराब की बोतलें व अन्य सामान भी बरामद किया गया। वहीं एक अन्य ढाबे में छापेमारी के दौरान पुलिस ने वहां शराब परोस रहे गोविंद पुत्र राम प्रसाद निवसी शिव नगर वार्ड नंबर 8 को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। यहां से भी शराब की आधी भरी और खाली बोतलें बरामद की गयी। पकड़े गये तीनों ढाबों स्वामियों के खिलाफ पुलिस ने सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

सड़क पर युवक ने ..के बारे में पूछा तो उसने बताया कि उसने जहर गटक लिया है। स्थानीय राहगीरों ने 112 और 100 नंबर में फोन कर पुलिस को सूचना दी। मार्ग संकरा होने के कारण पुलिस की गाड़ी मौके तक नहीं पहुंच सकी और पुलिस जवान को भागकर मौके तक पहुंचना पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस जवान त्रिलोक को स्थानीय बी.डी.पाण्डे अस्पताल ले गई जहां डॉक्टर दुरताल और उनकी टीम त्रिलोक के इलाज में जुटी है। त्रिलोक की हालत गंभीर होने के कारण अभी तक उसके जहर खाने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

अटरिया माता की मूर्ति...और थाल रम्पुरा स्थित प्राचीन मंदिर में विराजमान है। अरविंद शर्मा ने कहा कि मंदिर में माता की मूर्तिया सोने की नहीं बल्कि अष्टधातु की है। उन्होंने बताया कि राजा रूद्रप्रताप सिंह ने खुदाई में निकली अष्टधातु की बेशकीमती मूर्ति मंदिर में स्थापित कराई थी। जो आज भी सुरक्षित है। अष्टधातु की मूर्ति को ही हर वर्ष मेले के दौरान जगतपुरा स्थित मंदिर में विराजमान कराया जाता है। अन्य दिनों में यह मूर्ति रम्पुरा स्थित मंदिर में विराजमान रहती है। अरविंद शर्मा ने बताया कि लोगों में भ्रम है कि माता की मूर्ति सोने की है। पौराणिक मूर्तियों का पंजीकरण 1984 में रजिस्ट्रार कार्यालय में ीी कराया गया था, जिसमें मूर्ति अष्टधातु की होने का जिक्र है। अरविंद शर्मा ने कहा कि आनन्द शर्मा की मानसिक हालत ठीक नहीं है उसके गलत आचरण एवं नशे की प्रवृत्ति के कारण उनकी माता जी ने वर्ष 2013 में उसे बेदखल कर दिया था। उसे कई बार नशा मुक्ति केन्द्र में भी भर्ती कराया जा चुका है। पूर्व में वह मां के उपर तमंचा तान चुका है जिसको लेकर उसके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज है। अरविंद शर्मा का आरोप है कि अपने कृत्यों को छुपाने के लिए आनन्द शर्मा बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। इसके खिलाफ वह कानूनी कार्रवाई करेंगे।

सेना के जवान..शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। नीरज सिंह भंडारी की पिछले महीने दो दिसंबर को हल्द्वानी निवासी सोनी से शादी हुई थी। उसकी पत्नी का रो- रोकर बुरा हाल है। नीरज की दो बहनें बड़ी व एक छोटा भाई है। वह तीसरे नंबर का था।

फर्जी इंस्टाग्राम..कुछ दिनों से परेशान किया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा किए जा रहे इस कार्य से उसकी प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

कोहरे ने रोकी..ऋषिकेश-पुरी के बीच कलिंगा उत्कल (पुरी एक्सप्रेस) का संचालन प्रतिदिन किया जाता है। लंबी दूरी की यह रेल सेवा पिछले कुछ दिनों से लगातार कोहरे के कारण बिलंब से ऋषिकेश पहुंच रही है। कलिंगा उत्कल का योगनगरी ऋषिकेश पहुंचने का समय रात्रि 09:50 बजे तय है। जबकि शुक्रवार को यह सेवा तय समय पर ऋषिकेश नहीं पहुंच पाई। जानकारी जुटाने पर पता चला कि कलिंगा उत्कल शुक्रवार रात्रि दस बजे तक मथुरा भी नहीं पहुंच पाई थी।

पहाड़ों में सुरंग बनने से धंस रहा जोशीमठ : शिवानंद

हरिद्वार। गंगा की अविरलता और बड़ी बांधों के खिलाफ आवाज उठाने वाले मातृ सदन के परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती ने कहा कि पहाड़ों के नीचे से बनाई जा रही सुरंगों से जोशीमठ धंस रहा है। इन परियोजनाओं को बंद करने की मांग पूर्व प्रोफेसर ब्रह्मलीन ज्ञानस्वरूप सानंद ने उठाई थी। उन्होंने कहा कि मातृ सदन और उनकी मांग नहीं मानने पर आज लोगों को यह दिन देखना पड़ रहा है। शुक्रवार को प्रेस को जारी बयान में परमाध्यक्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती ने कहा कि मातृ सदन इस बात को कई वर्षों से उठा रहा है, पूर्व प्रोफेसर ज्ञानस्वरूप सानंद जैसे वैज्ञानिक ने भी पहाड़ों पर बन रही परियोजनाओं को बंद करने की मांग की थी। इसमें एक तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना भी थी। पर उनकी मांग नहीं मानी गई। उन्होंने कहा कि ब्रह्मचारी आत्मबोधानंद के 194 दिन के अनशन के दौरान प्रधानमंत्री की ओर से पत्र भेजकर वादा किया गया था कि आपकी मांगी पूरी की जाएंगी, पर उसको पूरा नहीं किया गया। इसके बाद साध्वी पद्मावती ने अनशन किया। वह संघर्ष करतीं-करतीं व्हीलचेयर पर आ गई हैं। यदि उसी वक्त इस परियोजना को बंद कर दिया गया होता तो आज ऐसे हालात पैदा नहीं होते। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जोशीमठ के लोग उग्र होकर आज रोड पर निकल आए हैं, यदि वह पहले आ जाते तो उन्हें शायद जोशीमठ न धंसता। उन्होंने कहा कि गलत रिपोर्ट के आधार पर सुरंग और परियोजनाएं बनाई जा रही हैं। स्वामी शिवानंद ने कहा कि यदि जोशीमठ को बचाना है तो निर्माणाधीन परियोजना रोक दें और निर्मित बांध को खत्म कर दें।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

॥ जय श्री राम ॥
!! श्री गणेशाय नमः !!
॥ जय श्री राम ॥
जय श्री बालाजी महाराज
श्री हरिधाम
मन्दिर श्री मेहन्दीपुर बालाजी महाराज (गोपाल विहार, निकट शारदा कालोनी)
कथा वाचक
आचार्य देशमुख वशिष्ठ जी महाराज
के द्वादश स्थापना महोत्सव एवं नव मन्दिर मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में
भव्य वार्षिकोत्सव 2023
एवं
श्रीमद् भागवत कथा
8 जनवरी से दिनांक 14,15 व 16 जनवरी 2023
दिन शनिवार, रविवार, सोमवार
को निश्चित कार्यक्रमानुसार आयोजित किया जा रहा है। सभी धर्मप्रेमी बाबा भक्तों से अनुरोध है कि इस पुनीत पावन अवसर पर सम्मिलित होकर श्री बालाजी महाराज के दर्शन व आशीर्वाद प्राप्त कर जीवन सार्थक बनाएं।
मुख्य आकर्षण
भव्य स्वर्ण श्रृंगार
छप्पन भोग एवं सवामनी भंडारा
महाआरती
मंगल कलश यात्रा
08 जनवरी 2023 दिन रविवार प्रातः 10 बजे से
कलश यात्रा हरिधाम मन्दिर से प्रारम्भ होकर नव निर्मित मन्दिर प्रांगण तक पहुँचेगी।
कथा महातम
08 जनवरी 2023 दिन रविवार
वामन भगवान अवतार
10 जनवरी 2023 दिन मंगलवार
गोवर्धन पूजा
12 जनवरी 2023 दिन गुरुवार
भीष्मपितामाह चरित्र, कुन्ती चरित्र
09 जनवरी 2023 दिन सोमवार
श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव
11 जनवरी 2023 दिन बुधवार
रुक्मणी मंगल
13 जनवरी 2023 दिन शुक्रवार
सुदामा चरित्र
14 जनवरी 2023 दिन शनिवार
प्रतिदिन कथा का समय - सायं 2 बजे से 5 बजे
कार्यक्रम
14 जनवरी 2023 दिन शनिवार
दिव्य स्वर्ण श्रृंगार .... प्रातः 06:00 बजे
अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ प्रारंभ .... प्रातः 07:00 बजे
पंचम सोपान श्री सुंदरकाण्ड पाठ पारायण .... प्रातः 09:00 बजे
श्रीमद् भागवत कथा विराम .... सायं 06:00 बजे
भव्य श्री बालाजी दरबार .... रात्रि 08:00 बजे
15 जनवरी 2023 दिन रविवार
महिला संकीर्तन .... दोपहर 02:00 बजे
16 जनवरी 2023 दिन सोमवार
श्री हरि संकीर्तन .... प्रातः 09:00 बजे
संत समागम .... प्रातः 11:00 बजे
आमंत्रित संत महापुरुष
निवेदक : श्री सीताराम कृपा सेवा समिति, हरिधाम मन्दिर, गोपाल विहार, निकट शारदा कालोनी.
श्री सीताराम कृपा महिला मंडल
बाबा चरणों के दास - आप और हम

SAMSUNG
BOSCH
SONY
JBL
VOLTAS
IFB
DELL
DAIKIN
ONEPLUS
MITSUBISHI ELECTRIC
Whirlpool
AMSTRAD
LLOYD
mi
SANSUI
गुरु माँ
अब मिलेगा
Online
से भी सस्ता
DIWALI DHAMAKA Sale
NO COST EMI
ATTRACTIVE EXCHANGE OFFERS
UPTO 55% OFF
UPTO 25% ADD CASHBACK
LED TV पर ऐसे ऑफर्स, खरीदे बिना रहा ना जाए
वाशिंग मशीन पर पैसा वसूल ऑफर्स
JBL स्पीकर्स - मनोरंजन अनलिमिटेड
आपके किचन की बढ़ाये शान
ऑफर्स ऐसे खरीदे बिना रहा ना जाए
सबसे कम दाम गारंटीड
डील्स ऐसी, जो कही ना मिले
WASHING MACHINE ONLY - ₹7,990/-*
LED TELEVISION ONLY - ₹8,990/-*
REFRIGERATOR ONLY - ₹9,990/-*
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
EASY EMI OPTION AVAILABLE
दाम में भी कम, बिजली खपत भी करे कम
*Terms&ConditionsApply *UnderExchange
HALDWANI
Tikonia +919997207007
Pilikothi +919690256666
Pilikothi +918923468434
KASHIPUR
Kashipur +91 8303074949
Ramnagar Road +91 8791989500
Cheema Chauraha +91 9012451341
Cheema Chauraha +91 9690785231
RUDRAPUR
Civil Lines +91 8958533331
Kashipur by Pass +91 9690282777
Kashipur by Pass +91 7895741313
Kashipur by Pass +91 9917170230
MORADABAD
Moradabad +91 7017558272
KICHHA
Kichha +91 7017595920
(Deepak Electronics)
HARIDWAR
Haridwar +91 9761699704
GADARPUR
Gadarpur +91 9927850999
(Guru Nanak Enterprises)